



## प्रदेश कार्यकारिणी में चौमू क्षेत्र के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा बने प्रदेश प्रवक्ता

**- रामलाल शर्मा पर फिर से जताया भरोसा**

चौमू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की नई कार्यकारिणी की घोषणा गुरुवार को की गई। जारी सूचना में चौमू क्षेत्र के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को एक बार फिर से प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंप गई है। नए कार्य करने शर्मा का पुनः प्रवक्ता पद शामिल होने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। मिले जानकारी के अनुसार शर्मा को फिर से प्रवक्ता बनाए जाने पर भाजपा जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में उनके संगठन आत्मक अनुभव पकड़ एवं कार्यकर्ता नेतृत्वक अपनी रणनीतिक प्रमुख स्थान दिया है। चुनाव हार के बावजूद भी कई नेताओं की भूमि सीमित हो जाती है लेकिन पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को दोबारा मजबूत दायित्व देखकर पार्टी ने स्पष्ट संदेश दिया है। कि उनका प्रभाव अभी भी बरकरार है और आने वाले समय में उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। संगठनात्मक स्तर पर रामलाल शर्मा एक लंबे सफर से आज तक पहुंचे हैं शर्मा भाजपा



जयपुर देहात जयपुर गत उत्तर दोनों के पहले अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसको लेकर सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को ग्रामीण क्षेत्र से साथ लेकर चलने का आवाहन किया है। इसको लेकर ग्रामीण ग्राम पंचायत आलीसर ली सर से पंचायत समिति सदस्य एवं कालाडोरा भाजपा मंडल लालचंद यादव, महेंद्र कुमार खातोदिया, सरस डेयरी के सचिव हीरालाल शर्मा, मेडिकल स्टोर कैलाश शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, रिटायर एडवोकेट फतेह सिंह पालावत, वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव, पूर्व सरपंच बाबूलाल यादव, शंभू सिंह, मुरलीधर जडवाल, मूल सिंह नरुका, मालीराम बाबूजी पप्पू फोटो स्टूडियो, सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त की।

### पृष्ठ एक का शेष....

#### अशोक गहलोत, टीकाराम जूली के बयान आधारहीन.....

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार के कार्यकाल में राजस्थान की जीएसडीपी में प्रतिवर्ष 19 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। प्रति व्यक्ति आय 2023-24 में 1.66 लाख रुपए थी, जो 2025-26 में बढ़कर 2.37 लाख रुपए हो गई। पिछली सरकार की तुलना में 71,252 रुपए की वृद्धि यह दर्शाती है कि राज्य की अर्थव्यवस्था और आम जनता दोनों समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। राजस्थान अब 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन्फ्रास्ट्रक्चर और कृषि क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए राठौड़ ने बताया कि अब तक 33,117 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हुआ है, पानी से संबंधित दो महत्वपूर्ण एमओयू हुए हैं, 76 लाख किसानों को सम्मान निधि मिल रही है, किसानों को गेहूँ पर एमएसपी मिल रहा है, और 96 हजार युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि 'अब भर्ती में न पूर्ण चलाई है, न खर्ची, जो वर्तमान सरकार के पारदर्शी कार्यप्रणाली का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यदि पिछली सरकार और वर्तमान सरकार की तुलना की जाए तो जहाँ गहलोत सरकार में आर्थिक जर्जरता बनी रही, वहीं भजनलाल सरकार मजबूत आर्थिक प्रबंधन, सुव्यवस्थित शासन और जनकल्याण के हर मोर्चे पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने गहलोत पर हमला करते हुए कहा कि 'गहलोत साहब पहले अपने गिरेबान में झोंकि कि उनके समय राजस्थान की क्या दशा थी—अपराध में वृद्धि, प्रशासनिक अव्यवस्था और लगातार आपाधापी। अब बिना तथ्यों के आरोप लगाना उनकी हताशा को ही दर्शाता है। मैं ऐसे आधारहीन आरोपों की निंदा करता हूँ।'

## गज़ल

तुमको किसी से खुद को तौलना नहीं अल्लाह के सिवा किसी को बोलना नहीं उस्ताद इस ज़माने में अब खोजना नहीं हर कोई है उस्ताद दिल खोलना नहीं प्यार व्यार इश्क़ विश्व इतिहास हो गये मिल जाए वर्तमान में सम्भावना नहीं जिसको बनाया अपना वही दोगला हुआ रिश्तों को सारी उम्र अब सहेजना नहीं शायद वो इत्तेफ़ाक़ से मिल जाएंगे कभी है तो महज़ ख़्याल ही ये डरावना नहीं रहमो - करम किसी से ना उधार लीजिए मिल जाए फिर कभी इसे सम्भालना नहीं सूफ़ी की करामात क्या ढूँढ रहे हो इस दौर के धोखे हैं यह खरीदना नहीं जुल्मत के नज़ारे अब सरे - आम हुए हैं इंसाफ़ ओ अदल उठ गया है ढूँढना नहीं खुदगर्ज़ी भी देती है एहसास को धोखा खुदगर्ज़ ज़िन्दगी कभी गुज़ारना नहीं

-फ़ज़लुर्रहमान

## ब्राह्मण समाज ने राष्ट्रपति को संबोधित जापन चौमू थानाधिकारी प्रदीप शर्मा को सौंपा

चौमू/नई दिल्ली (रॉयल पत्रिका)। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ आईएस अधिकारी द्वारा ब्राह्मण समाज की बेटियों पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में चौमू में आज व्यापक जनआक्रोश देखने को मिला। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज राजस्थान के जिला संरक्षक डॉ. ओम प्रकाश शर्मा एवं जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवारी ने सभी पदाधिकारियों तथा सर्व-समाज के लोगों के साथ मिलकर राष्ट्रपति महोदय को संबोधित जापन चौमू थानाधिकारी प्रदीप शर्मा को सौंपा। जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि आईएस अधिकारी का बयान न केवल ब्राह्मण समाज की बेटियों का अपमान है, बल्कि यह महिलाओं की गरिमा, सामाजिक समरसता और प्रशासनिक आचार संहिता के विरुद्ध है। सर्व-समाज की भागीदारी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि यह मुद्दा किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि समाज की प्रत्येक बेटी की अस्मिता से जुड़ा है।

#### ज्ञापन में मुख्य मांगें-

1. आईएस अधिकारी के खिलाफ



तत्काल विभागीय व आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाए।  
2. उन्हें वर्तमान पदस्थापना से तुरंत हटाया जाए।  
3. टिप्पणी को महिला-अपमान और जातिगत भेदभाव के रूप में लेकर विशेष जांच की जाए।  
4. आगे ऐसी घटनाएँ न हों, इसके लिए प्रशासनिक आचार संहिता में सुधार एवं जागरूकता कार्यक्रम लागू किए जाएँ।  
ब्राह्मण समाज के साथ सर्व समाजों के लोगों ने बड़ी संख्या में चौमू थाना परिसर पहुंचकर शांतिपूर्ण तरीके से इस विरोध में भाग लिया। जिलाध्यक्ष तिवारी ने कहा: "यह लड़ाई केवल ब्राह्मण समाज की नहीं—यह हमारी बेटियों की गरिमा और सम्मान की लड़ाई है। हम संविधान के भीतर रहकर न्याय की मांग करते रहेंगे।" थानाधिकारी प्रदीप शर्मा ने ज्ञापन प्राप्त कर इसे उच्च अधिकारियों तक भेजने का आश्वासन दिया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष अशोक रेवडका, जिला प्रचार प्रसार मंत्री चंद्र प्रकाश शर्मा, जिला जिला मंत्री ओम प्रकाश शर्मा, जिला प्रवक्ता डॉ. बंशीधर शर्मा, जिला मंत्री नारायण लाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, चौमू तहसील महामंत्री मुकेश लालानी, चौमू तहसील उपाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, चौमू पेंशनर मंच अध्यक्ष राधेश्याम यादव, उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह सोलंकी, महामंत्री रामपाल कुमावत, शंभू गरेड उपस्थित थे।

## राजापुरियान का पुरा में 76वां संविधान दिवस मनाया

### -बाबा साहेब को किया नमन; बच्चों को दिलाई शपथ

हिण्डौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। शहर के नगर परिषद क्षेत्र स्थित राजापुरियान का पुरा में मंगलवार को भारत का 76वां राष्ट्रीय संविधान दिवस पूरी गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर की गई। उपस्थित सभी लोगों ने देश के लिए उनके योगदान को श्रद्धापूर्वक याद किया। कार्यक्रम में संचालन पूर्व छात्रसंघ महासचिव धर्मवीर गौतम ने उपस्थित बच्चों और नागरिकों को संविधान की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि यह दिन हम सभी के लिए



विधान है, जो हमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के साथ-साथ विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। उन्होंने कहा कि संविधान ही भारतीय लोकतंत्र की मसूला ताकत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामवीर गौतम ने उपस्थित बच्चों और नागरिकों को संविधान की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि यह दिन हम सभी के लिए

गर्व का क्षण है। हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर समता और बंधुता के आधार पर समाज को मजबूत बनाएंगे। इस अवसर पर धर्मराज सैनी, अरुण कुमार, सोनू बिलोनिया, गोमन, और ब्रजेश सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

## जयपुर में 'फर्जी पप्पू पोपटलाल' के प्रीमियर पर उमड़ा दर्शकों का सैलाब

### -हॉल तालियों से गूँज उठा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भरा हुआ जेम सिनेमा हॉल में, हर सीन पर गूँजती तालियाँ और बच्चों व दर्शकों का जबरदस्त उत्साह — मानो कोई बड़ी बॉलीवुड फिल्म चल रही हो। लेकिन अवसर था राजस्थान में ही बनी फिल्म 'फर्जी पप्पू पोपटलाल' के प्रीमियर शो का, जहाँ 1100 सीटों वाला सभागार पूरी तरह भरा हुआ नजर आया। फिल्म के लेखक एवं निर्देशक राज मिर्जा ने न केवल निर्देशन किया, बल्कि अभिनय की भी सशक्त भूमिका निभाई। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने हर दृश्य में तालियों के साथ सराहा। फिल्म के सभी कलाकारों ने अपने दमदार अभिनय से कहानी में जीवंतता भर दी। निर्देशक राज मिर्जा के अनुसार, फिल्म में अभी कुछ कमियाँ हैं, जिन्हें रिलीज़ से पहले सुधारा जाएगा, ताकि दर्शकों के आनंद में और अधिक वृद्धि हो तथा उनका विश्वास बना रहे। इस फिल्म में राजस्थान के जाने-माने कलाकारों ने अपनी शानदार



उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें प्रमुख रूप से मोहम्मद इलियास खान, जे.पी. चोपड़ा, हेमंत शर्मा, जॉर्ज ग्रोवर, ओपी शर्मा, श्रद्धा तिवारी, मधु भट्ट, शैलेन्द्र सिंह, सुशांत सेन, चंद्रकला शर्मा,श्यामवीर सिंह एडि्टर छोटू आदि शामिल रहे। प्रीमियर शो के दौरान जावेद हुसैन ने अपनी सुरीली आवाज से समां बांध दिया, वहीं किरण भाट, संक्षम कुमावत और सुनील शर्मा ने भी अपनी आवाज से कार्यक्रम में और रंग भर दिया। दर्शकों ने पूरे प्रीमियर को बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ एंजॉय किया।

कार्यक्रम में राजस्थान की कई जानी-मानी हस्तियाँ मौजूद रहीं, जिनमें सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण, आईएस अधिकारी गोपालन विभाग, पंकज ओझा, ध्रुव एजुकेशनल सोसाइटी के डॉ. ललित कुमार बांगा, ब्रह्मकुमारी से बीके सुनीता दीदी, बीके पूजा दीदी, समाज सेविका हिना वाधवानी, राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब शिव सिंह शेखावत साहब आदि शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आफताब हिंदुस्तानी ने की।

## जिला कलेक्टर ने बौली क्षेत्र में संभावित डेजर्ट सफारी और एडवेंचर पर्यटन रूट का निरीक्षण किया

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले में डेजर्ट सफारी और एडवेंचर पर्यटन की संभावनाओं की व्यवहारिकता को जानने और क्रियान्वयन के क्रम में रविवार को जिला कलेक्टर काना राम ने डीएफओ (सामाजिक वानिकी) सुनील कुमार के साथ बौली उपखंड क्षेत्र में संभावित सफारी रूट का स्थल निरीक्षण किया। कलेक्टर और डीएफओ ने अल सुबह गोल से गोठड़ा नटणी के दाता क्षेत्र तक ट्रेकिंग की और रेत के विशाल प्राकृतिक टिब्बों, जैव विविधता और वन्यजीवों के प्राकृतिक चिन्हों का अवलोकन किया। निरीक्षण दल पैदल ट्रेकिंग करते हुए बौली किले से स्थानीय करखे तक पहुंचा। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान नव क्षेत्र की स्थानीय विशेषताओं, प्रजातियों, वन्यजीव गतिविधियों और पर्यटन की संभावनाओं की विस्तृत जानकारी ली। डीएफओ सुनील कुमार ने वन क्षेत्र की पारिस्थितिकी, संभावित पर्यटन



मार्ग और वन्य जीवों तथा पर्यटकों के संरक्षण के दृष्टिकोण से किए जाने वाले उपायों पर जानकारी दी। जिला कलेक्टर ने कहा कि "बौली वनक्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य, रेत के टिब्बों और जैव विविधता के कारण रोमांचक डेजर्ट सफारी और एडवेंचर ट्रेकिंग के लिए अत्यंत उपयुक्त है। यह पहल न केवल क्षेत्र के पर्यटन विकास में सहायक होगी, बल्कि स्थानीय आजीविका संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।" इस निरीक्षण के बाद

क्षेत्र में डेजर्ट सफारी प्रोजेक्ट के जल्द साकार होने की संभावनाएं और मजबूत हो गई हैं, जिससे राजस्थान के पर्यटन मानचित्र पर सवाई माधोपुर की एक और आकर्षक पहचान दर्ज होने की उम्मीद है। निरीक्षण दल में क्षेत्रीय वन अधिकारी बौली भूपलराम मीना, फॉरेस्ट ग्रीपेडर सिंह जादौन, वनरक्षक कैलाश यादव, विष्णु शर्मा, हीरालाल गुर्जर, सीमा मीना, छोटी देवी, वनमित्र बनवारी शर्मा, कैलाश रेगार, राजू पठान सहित अन्य वनकर्मी शामिल रहे।

## पीसीसी में 14 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली "वोट चोर गद्दी छोड़" महारैली की तैयारियों को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। पीसीसी में 14 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। एम डी चोपदार ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी को सूत की माला पहनकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नव - नियुक्त जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेतागणों से मुलाकात का सुअवसर मिला। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस जनों के साथ राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) की गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में पूर्व नेतागणों द्वारा नव-नियुक्त जिलाध्यक्षों का सम्मान किया गया एवं सभी से कांग्रेस की रीति-नीति जन-जन



तक पहुँचाने का आह्वान किया। बैठक में SIA प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की गई और बूथ स्तर पर नियुक्त सभी बीएलए को सौंपे गए दायित्वों पर विस्तार से चर्चा हुई। वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस की यह लड़ाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह

डोटासरा, AICC महासचिव सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, AICC सचिव धीरज गुर्जर, AICC सचिव चिरंजीव राव, AICC सचिव पूरम पासवान, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव ललित तूनवाल, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारीगण, विधायकगण और वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे।

## 6 साल से फरार 10 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर 'डेनी' गिरफ्तार

### -पुलिस से बचने के लिए नहीं रखता था मोबाइल, स्कॉर्पियो पलटते ही दबोचा

बालघाट (रॉयल पत्रिका)। करौली जिले की बालघाट थाना पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए 6 साल से फरार 10 हजार के इनामी हिस्ट्रीशीटर सूरज उर्फ डेनी उर्फ शेखू मीना को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी चोरी, लूट, अपहरण, हत्या और आर्म्स एक्ट जैसे कई संगीन मामलों में वांछित था।



फिल्मी स्टाइल में हुई गिरफ्तारी- थानाधिकारी महेश कुमार मीणा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि इनामी बदमाश भोपुर गांव के हार में घूम रहा है। पुलिस टीम ने जब दबिशा दी, तो एक स्कॉर्पियो गाड़ी के पास कुछ संदिग्ध दिखे। पुलिस को देखते ही बदमाश गाड़ी लेकर भागने लगे। उन्होंने बैक गियर में गाड़ी दौड़ाई, जिससे कार अनियंत्रित होकर खेतों में पलट पड़ी। गाड़ी के नीचे दबे

तीनों बदमाशों को पुलिस ने बाहर निकाला और अस्पताल में उपचार के बाद गिरफ्तार कर लिया। बचने का तरीका- न मोबाइल, न पक्का ठिकाना- हिस्ट्रीशीटर डेनी पुलिस की पकड़ से बचने के लिए बेहद शातिराना तरीका अपनाता था। वह अपने पास कभी मोबाइल सिम नहीं रखता था ताकि पुलिस उसे ट्रेस न कर सके। साथ ही, वह हर 15 दिन में अपना ठिकाना बदल लेता था। यही वजह थी कि वह पिछले

6 साल से पुलिस को चकमा दे रहा था। साथी भी हुए गिरफ्तार- पुलिस ने डेनी के साथ उसके दो साथियों—रवि मीना (मंटेरू, टोडाभीम) और हिमांशु मीना (नांगल सुल्तानपुर) को भी अपराधी का सहयोग करने और शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। डेनी पर जयपुर, सवाई माधोपुर और करौली में 10 से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

## जिला कलेक्टर ने शाहपुरा के SDM खेदर जी की तारीफ़ कर सम्मानित किया

### -SDM खेदर जी जनता को राहत पहुंचा रहे हैं

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षणकार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉक्टर जितेंद्र कुमार सोनी ने गुरुवार को जिले के 3 निर्वाचक रजिस्ट्रिकरण पदाधिकारियों को सम्मानित किया है। जिला कलेक्टर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शाहपुरा निर्वाचक पदाधिकारी संजीव कुमार खेदर आदि को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है। इस अवसर पर सोनी ने बीएलए से संवाद के दौरान उन्होंने न केवल उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुक्त कंठ से सराहना की बल्कि यह भी कहा कि उनकी यह प्रतिबद्धता पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत है उन्होंने आग्रह किया कि वे अपने अनुभव ऊर्जा और कार्यकुशलता से अन्य साथियों को प्रेरित कर उन्हें भी लक्ष्य प्राप्ति में मार्ग दर्शन दे ताकि पूरे जिले में पुनरीक्षण अभियान की गति और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली रूप में आगे बढ़ सके। खेदर को सम्मानित होने शाहपुरा व मनोहरपुर के सम्पूर्ण क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। उल्लेखनीय है खेदर साहब कर्तव्यनिष्ठ परिश्रमी ईमानदार दयालु है व अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाते हैं। खेदर साहब हिन्दू मुस्लिम एकता को प्रगाढ़ करते हैं गरीबों की तन मन धन से मदद करते रहते हैं। खेदर साहब के पास में जब भी



कोई फरियादी अपनी फरियाद को लेकर आता है तो उसको चाय पानी पिलाकर ध्यान से उसकी फरियाद को सुनते हैं उनकी समस्याओं को अविलम्ब दूर कर देते हैं इस पर फरियादी यह दुआ देकर जाता है कि "ईश्वर आपकी मनोकामनाएं पूरी करें" और गांवों में जाकर खेदर साहब की प्रशंसा करते हैं कि "घण्टे चोखों साहब आयां छ म्हाारी पूरी बात न ध्यान सु सुणी और चाय पानी क लिए पूछ्यो और फट स काम कर दियो"।

### रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

## सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।



## आदर्श पड़ोसियों से ही बनेगा आदर्श समाज - मोहम्मद नाज़िमुद्दीन

**-जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द राजस्थान का "आदर्श पड़ोस - आदर्श समाज" सिम्पोजियम**

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द की ओर से पूरे देश में 21 से 30 नवंबर तक चलाए जा रहे 'पड़ोसियों के अधिकार अभियान' के तहत शनिवार को जयपुर के ग्रांड इंडियाना रेस्टोरेंट में "आदर्श पड़ोस - आदर्श समाज" विषय पर सिम्पोजियम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद नाज़िमुद्दीन ने की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि आदर्श समाज का निर्माण तभी संभव है जब पड़ोसी एक-दूसरे से संवाद बनाए रखें, सहयोग करें और एक-दूसरे की समस्याओं को समझकर सुलझाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आज के समय में लोगों के बीच दूरियां बढ़ रही हैं, इसलिए पड़ोसियों के अधिकारों की जानकारी और पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आदर्श पड़ोसियों से ही आदर्श समाज बनेगा। कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों और समुदायों से जुड़े धर्मगुरुओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं में



फादर विजय पॉल, एलिजाबेथ, प्रवीण बड़े भैया, रमन यादव, अनिल यादव, संगीता राठी, वीरेंद्र रवना, शब्बीर खान, अजय शर्मा, ए.बी. पॉल, सत्यनारायण सेनी, शौकत कुरैशी, नईम कुरैशी, वकार अहमद, हरदीप सिंह चहल और प्रसिद्ध गांधीवादी धर्मवीर कटेवा प्रमुख रहे। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता एवं पूर्व आयकर अधिकारी मीनाक्षी सेठी, नईम रब्बानी, शाहिद, सीमा राठी सहित कई अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। सभी वक्ताओं ने पड़ोसियों के बीच प्रेम, संवाद, और सहयोग को समाज निर्माण का आधार बताया। सिम्पोजियम के अंत में मोसूफ अहमद (को-कन्वीनर) ने 'पड़ोसियों के अधिकार प्रतिज्ञा पत्र' का वाचन किया, जिसमें सभी उपस्थित

लोगों ने आदर्श पड़ोसी बनने और समाज में भाईचारा बढ़ाने की शपथ ली। प्रतिज्ञा के मुख्य बिंदु थे—हम सब पड़ोसियों के अधिकारों को समझने और उनके अनुरूप आचरण करने का प्रयास करेंगे। स्वयं आदर्श पड़ोसी बनकर दूसरों को प्रेरित करेंगे। बिना किसी भेदभाव के पड़ोसियों का सम्मान और सहयोग करेंगे। हमारी ओर से किसी भी पड़ोसी को तकलीफ न पहुंचे, इसका ध्यान रखेंगे। समाज में नफरत नहीं, बल्कि भाईचारा, सहानुभूति और पारस्परिक समझ विकसित करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सौहार्द, सहयोग और मानवीय रिश्तों को मजबूत बनाना बताया गया ताकि एक आदर्श पड़ोस के माध्यम से आदर्श समाज की स्थापना की जा सके।

## तेंदुआ काबू में! जयपुर ने ली राहत की सांस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में लगातार दहशत फैलाने वाला तेंदुआ आखिरकार काबू में कर लिए गया। शहरभर में मूवमेंट करने वाला यह लेपर्ड देर रात चांदपोल स्थित खेतड़ी हाउस में पकड़ा गया। वन विभाग ने रात्रि सर्च ऑपरेशन के दौरान तेंदुआ को ट्रैकलाइजर कर सुरक्षित रेस्क्यू किया। लोगों ने राहत की सांस ली। चांदपोल के खेतड़ी हाउस परिसर में दिखा। सूचना मिलते ही वन विभाग, पुलिस और सिविल डिफेंस की टीमों तुरंत मौके पर पहुंची। घंटों की तलाश और घेराबंदी के बाद विशेषज्ञ टीम ने सही मौका देखकर तेंदुआ पर ट्रैकलाइजर डार्ट दागा। कुछ ही मिनटों में तेंदुआ बेहोश होकर



गिर पड़ा। इसके बाद पिंजरे में डालकर सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान इलाके में स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। लोग घरों की छतों पर, गलियों में और घरों के बाहर जमा होकर लाइव नज़ारा देखने लगे। कई लोग मोबाइल में वीडियो

बनाते दिखे। पूरे इलाके में तनाव और रोमांच का माहौल बना रहा। टीम ने तेंदुआ को क्रेट में रखकर वन विभाग की गाड़ी में शिफ्ट किया। अधिकारियों का कहना है—'तेंदुआ पूरी तरह सुरक्षित है, जंगल में शिफ्ट करने की तैयारी है।'

## विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के तीन ईआरओ को सम्मानित किया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने गुरुवार को जिले के तीन निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों को सम्मानित किया। जिला कलेक्टर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शाहपुरा निर्वाचक पदाधिकारी संजीव कुमार खेदर, दूदू निर्वाचक पदाधिकारी रमेश कुमार एवं बस्सी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी डॉ. गरिमा सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बीएलओ से संवाद के दौरान उन्होंने न केवल उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना की, बल्कि यह भी कहा कि उनकी यह प्रतिबद्धता पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आग्रह किया कि वे अपने अनुभव, ऊर्जा और कार्यकुशलता से अन्य साधियों को प्रेरित कर उन्हें भी लक्ष्य प्राप्ति में मार्गदर्शन दें, ताकि पूरे जिले में पुनरीक्षण अभियान की गति और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली रूप में आगे बढ़ सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि जयपुर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत परिगणना कार्य प्रगति पर है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी निरंतर कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि 36 लाख 75 हजार 806 यात्री 76.03 फीसदी से अधिक परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 18 हजार 372, शाहपुरा विधानसभा



क्षेत्र में 2 लाख 20 हजार 301, चौमू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 31 हजार 369, चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 10 हजार 421, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 31 हजार 63, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 26 हजार 32, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 57 हजार 487, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 7 हजार 735, हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 89 हजार 914 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही उन्होंने बताया कि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 35 हजार 908, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 82 हजार 25, झोटावाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 21 हजार 135, बगरू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 50 हजार 343, सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 71 हजार 848, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 44 हजार 732, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 42 हजार 101 एवं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 26 हजार 263 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

## 16 साल से फरार टॉप-10 सूची में शामिल अपराधी गिरफ्तार

**-आरोपी पर 25 हजार का इनाम घोषित था**

**-गिरफ्तारी में सिपाही गिरधर सिंह का रहा विशेष योगदान**

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिस पर थानाधिकारी माणकचोक के नेतृत्व में गिरधर सिंह कानि. 8123 एवं चुनिन्दा कार्मिकों की टीम गठित की गई थी। टीम के सदस्य गिरधर सिंह द्वारा लगातार आस सूचना संकलित कर वांछित अपराधियों पर निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में टीम के सदस्य गिरधर सिंह ने अपने व्यवसायिक कौशल का उपयोग करते हुये आसूचना संकलन कर तथा तकनीकी सहायता प्राप्त कर मुल्जिम रामप्रसाद डे पुत्र केतुल उर्फ तैतुल उर्फ तैतुल जाति कायस्थ उम्र 49 साल निवासी उदयचन्द्रपुरा पुलिस थाना नकासीपाडा जिला नदिया पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार करने



में सफलता प्राप्त की है। थाना हाजा पर दिनांक 26 फरवरी 2009 को परिव्रादी मुकेश कुमार सोनी ने रिपोर्ट दी कि मेरी फर्म पर अभियुक्त रामप्रसाद डे आया व अपने आप को डायमंड का ध्वजसाथी बताकर फर्म से माल लेकर दो-तीन में आकर रुपये देने

की बात कहकर करीब 85 लाख रुपये के डायमंड लेकर फरार हो गया। आदि पर थाना हाजा पर मुकदमा नंबर 62/09 धारा 420.406 भा.द.सू. में दर्ज होकर बाद अनुसंधान मुल्जिम क्षेत्र में फरार होने पर धारा 299 सीआरपीसी में चालान पेश न्यायालय किया गया।

## एसआईआर के संबंध में लीगल क्लिनिक का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर में एसआईआर के फॉर्म को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में आ रही समस्याओं व आमजनों के फॉर्म न भर पाने में असमर्थता को देखते हुए, उनकी सहायता के उद्देश्य से APCR राजस्थान द्वारा एक जन जागरूकता कार्यक्रम 'लीगल क्लिनिक' का आयोजन मुस्लिम समाफिर खाने, जयपुर में किया गया। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, राजस्थान चैप्टर के महासचिव मुज़म्मिल रिज़वी ने बताया कि इस कार्यक्रम में SAR फॉर्म कैसे भरें? 2002 की सूची में नाम जानें की प्रक्रिया? BLO से संपर्क कैसे करें? आदि प्रश्नों से सम्बन्धित सहायता की गई। जिसमें जयपुर शहर के अलग-अलग इलाकों से 100 से अधिक लोगों ने अपनी समस्याओं को



साझा किया व वहीं मौजूद वकील व सामाजिक कार्यकर्ताओं की टीम ने उनकी मदद कर उनके ऑनलाइन व ऑफलाइन फॉर्म भरवाए। सुबह 11 बजे इस कैम्प में लोगों ने अपनी समस्याओं को लेकर आना शुरू किया व शाम 4 बजे इस कैम्प का समापन किया गया, उसके बाद इलाके के बी.एल.ओ. ने वहाँ आकर लोगों के फॉर्म जमा किये। इस कार्यक्रम में स्वयं महासचिव मुज़म्मिल

रिज़वी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रुखसाना उस्मान, एडवोकेट सुमित उपाध्याय, प्रदेश समन्वयक मोहम्मद आबिद खान, रब्बे खान, जयपुर शहर के सचिव मोहम्मद अंसार, सदस्य इस्लाम कुरैशी, मोहम्मद सोहेल, मोहम्मद अजहर एवं एडवोकेट सरवर आलम मौजूद रहे। संगठन की ओर से शहर में इस तरह के कुछ और कैम्प आने वाले दिनों में आयोजित किये जायेंगे।

## इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फ़ेयर 2025 में राजस्थान को गोल्ड मेडल - फर्नल राज्यवर्धन राठौड़

**-पार्टनर स्टेट के रूप में आगतुकों की पहली पसंद बना राजस्थान मंडप, उत्पादों की रिकॉर्ड बिक्री से हस्तशिल्प उद्यमियों में उत्साह**

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के संकल्प पर नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 44वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के समानान्तर समावेश में राजस्थान मंडप को उसके उत्कृष्ट एवं नवोन्मेषी प्रदर्शन हेतु स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के मार्ग-दर्शन में बनाए गए राजस्थान पवेलियन को प्राप्त यह स्वर्ण पदक सम्पूर्ण राज्य के लिए गौरव का विषय है। इस उपलब्धि से राज्य के हस्तशिल्प, कला और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण व संवर्धन को नई गति मिलेगी तथा देश-विदेश के आगतुकों तक राजस्थानी कला-संस्कृति की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित होगी। फर्नल राज्यवर्धन राठौड़, उद्योग मंत्री द्वारा उद्योग एवं पर्यटन विभाग के साथ रीको, राजस्थली एम्पोरियम, बीआईपी, खादी, राजीविका एवं रूडा की संयुक्त सहभागिता सुनिश्चित की जिससे राजस्थान पवेलियन को समृद्ध, आकर्षक और अनुभव-



केंद्रित स्वरूप प्रदान किया जा सका। "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना पर आधारित इस बार राजस्थान और असम के सांस्कृतिक एकीकरण की पहल विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस पहल के माध्यम से दोनों राज्यों की कला, संस्कृति और व्यापारिक संभावनाओं का प्रभावी आदान-प्रदान हुआ, जिससे द्विपक्षीय व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंध और अधिक सुदृढ़ होने की संभावनाएँ बढ़ी हैं। इस प्रयास से राज्य के कारीगरों, शिल्पकारों, उद्यमियों और निवेशकों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

अपने उत्पादों और कौशल को प्रस्तुत करने के व्यापक अवसर प्राप्त हुए। राजस्थली एम्पोरियम द्वारा बनाई गई 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' वॉल पर राज्य के सभी 41 जिलों के उत्पादों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। प्रवासी राजस्थानी दिवस को होने वाले आयोजन में भी "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट" के प्रभावी प्रदर्शन हेतु माननीय मुख्यकमन्त्री महोदय जी के निर्देशों के तहत कार्यवाही की जा रही है, जिससे आगन्तुक मेहमानों तथा जयपुरवासियों को भी ऐसे सुंदर प्रदर्शन को देखने का अवसर मिल सके।

## उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने शुक्रवार को पुलिस आयुक्तालय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित किया। सचिन मित्तल ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनना में साकार हो इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार से पुलिसकर्मियों के मनोबल में बढ़ोतरी के साथ-साथ पुलिसकर्मों बेहतर व सराहनीय कार्य करने के प्रेरित होंगे। अक्टूबर माह 2025 का "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" पुरस्कार के लिए जिला को गिरफ्तार करने से अस्वताल पहुंचा कर उपचार दिलवाया जिससे व्यक्ति की जान बच सकी, कानि० ने उत्कृष्ट मानवता के लिए पुलिस थाना सिन्धीकेम्प ने साईबर काइम से संबंधी परिवारों का निस्तारण करवाकर गुमशुदा 14



मोबाइलों को ट्रेस कर पीड़ितों को लौटाने का सराहनीय कार्य किया। जिला उत्तर के महिपाल कानि० ने पुलिस थाना विद्याधर नगर के प्रकरण में अज्ञात मृतक की पहचान कर एवं वारिसाना की तलाश कर उक्त वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों का चिन्हित कर मुल्जिम नवीन कुमार डंगोरिया व अजय स्वामी को गिरफ्तार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी तथा अन्य प्रकरण में अभियुक्त शाहिद कुरैशी उर्फ शानु को गिरफ्तार कर उसके कब्जे चोरी की 7 मोटरसाइकिलें बरामद करवायी। जिला दक्षिण के जगदीश कानि० ने पुलिस थाना, चाकसू के दो प्रकरणों में आरोपियों को दस्त्याब करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मोहनलाल कानि० यातायात प्रशासन जयपुर ने इन्टरसेप्टर पर तैनात रहकर तेजगति व लापरवाही से वाहन

चलाने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गयी एवं यातायात नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध अधिक से अधिक कार्यवाही करवाया गया जो सहरानीय कार्य किया। जितेन्द्र कानि० अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, (चोरी एवं नकबजनी) पुलिस आयुक्तालय जयपुर, ने आयुक्तालय क्षेत्र में होने वाली चैन, पर्स, बैग सैचिंग, लूट, वाहन चोरी एवं सम्पत्ति संबंधी अपराधों की घटनाओं की क्वरस्टी रिकॉर्ड संधारण करना व दर्ज होने वाले सम्पत्ति संबंधी अपराधों के प्रकरणों को ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करने एवं हॉट स्पॉट चिन्हित कर अपराधों की रोकथाम हेतु समस्त थानाधिकारी को निर्देशित करने हेतु पत्राचार करने का कार्य कड़ी मेहनत व लगन से किया है।

## इंस्टाग्राम पर नोटों की रील बनाकर फसांते थे जाल में

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस की साउथ डीएसटी टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 'टटलू बाज गैंग' का पर्दाफाश किया है। यह गैंग लोगों को पैसा दोगुना करने का लालच देकर फसाता था और फिर उनसे लूटपाट करता था। मामले का खुलासा डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इंस्टाग्राम पर नोटों की रील बनाकर फसांते थे जाल में - पुलिस के मुताबिक, ये बदमाश सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम का इस्तेमाल हथियार के तौर पर करते थे। ये नोटों की गड्डियों के वीडियो और रील बनाकर पोस्ट करते थे और दावा करते थे कि वे पैसे को दोगुना कर



सकते हैं। जब कोई व्यक्ति इनके झांसे में आ जाता था, तो उसे सुनसान जगह पर बुलाकर उसके साथ लूट की वारदात को अंजाम देते थे। 5 बदमाश गिरफ्तार, वाहन बरामद- साउथ डीएसटी टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई

करते हुए गैंग के 5 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल की गई एक गाड़ी और एक पावर बाइक भी बरामद की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि अन्य वारदातों का भी खुलासा हो सके।

## पेंशनर्स ने शहीद स्मारक पर एक दिवसीय धरना दिया



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पेंशनर्स मंच जयपुर के बेनर तले एक दिवसीय धरना शहीद स्मारक गवर्नमेंट हॉस्टल पर 29 नवंबर 2025 को सरकार को उनकी मांगों के शीघ्र पूरी करने के लिए दिया गया। राजस्थान पेंशनर्स मंच के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष हाजी गुलाम रसूल मंसूरी ने अवगत कराया कि मंच को प्रदेश अध्यक्ष कैलाश क्रांतिकारी ने अपने भाषण में सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार पेंशनर्स के साथ

8 वें वेतन आयोग की सिफारिशों में भेदभावपूर्ण कार्यवाही की तो एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। सभा को संबोधित करते हुए क्रांतिकारी प्रदेश अध्यक्ष सूरज प्रकाश टांक ने राजस्थान में RGHS योजना में हो रही परेशानी का निराकरण करने और लंबित मांगों के आदेश शीघ्र जारी करवाये जाने के लिए सरकार को चेतावनी देते हुए शीघ्र निराकरण की मांग की और एक ज्ञापन प्रस्तुत किया।

## नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफेयर सोसायटी की ओर से रामगंज थाना प्रभारी को सम्मानित किया गया



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफेयर सोसायटी, जयपुर की संस्था प्रधान निशात हुसैन द्वारा बरोज सनिचर 28 नवंबर को रामगंज थाना प्रभारी सुभाष यादव को मोमेंटो व प्लांट देकर सम्मानित किया। यह सम्मान रामगंज एरिया को अतिक्रमण मुक्त व सफाई करवाने के लिए दिया गया। आप का यह काम सहरानीय है। इस अवसर पर संस्था प्रधान निशात हुसैन ने कहा कि हम लम्बे समय

से रामगंज एरिया में अतिक्रमण देख रहे हैं और इस अतिक्रमण को कोई भी नहीं हटवा पाया था, आप के प्रयास से अतिक्रमण भी हटा और आप की मेहनत और लगन से ही यह सम्भव हो पाया है और दुर्घटनाओं से भी निजात मिली। इस अवसर पर संस्था की सदस्या जहाँआरा ने संस्था का परिचय देते हुए संस्था के कार्य और उद्देश्य पर भी बात की। एरिया लीडर सुनिता, कृष्णा और साथी भी मौजूद रहे।

## रंगरेज समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 81 जोड़ों का निकाह पढ़ाया गया



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर का कर्बला मैदान एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जहाँ रंगरेज शेखावाटी समाज ने सामूहिक विवाह सम्मेलन के जरिए समाज में नई सोच और एकजुटता का संदेश दिया। इस भव्य आयोजन में एक मंच पर 81 जोड़ों का निकाह संपन्न कराया गया। सादगी और फिजूलखर्ची पर प्रहार- इस आयोजन ने समाज में शादियों में होने वाली फिजूलखर्ची को रोकने और सादगी अपनाएने का बड़ा संदेश दिया। हजारों की तादाद में देश और प्रदेश के

कोने-कोने से आए समाज के लोगों ने नवविवाहित जोड़ों को दुआओं से नवाजा। ऐतिहासिक रहा आयोजन- कर्बला मैदान में आयोजित इस समारोह में रंगरेज शेखावाटी समाज की अनोखी एकजुटता देखने को मिली। आयोजकों ने बताया कि इसका उद्देश्य समाज को एक जाजम पर लाना और गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों को राहत देना है। 81 जोड़ों ने अपनी नई जिंदगी की शुरुआत सादगी और बड़ों की दुआओं के साथ की।

## अनियमितता के विरुद्ध मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टोलरेंस नीति

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनियमितताओं के विरुद्ध जीरो टोलरेंस नीति को सख्ती से लागू किया जा रहा है। इसी क्रम में तहसील सांगानेर के पालड़ी परसा गांव में पेटा तालाबी भूमि को बंजर अथवा बारानी भूमि के तौर पर किस परिवर्तन करने के प्रकरण को राज्य सरकार द्वारा बेहद गंभीर अनियमितता माना गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में प्रकरण में सिलिप अधिकारियों एवं कार्मिकों के विरुद्ध त्वरित एवं सख्त कार्यवाही अमल में लाई गई है। प्रकरण में राजस्व मंडल ने सांगानेर तहसीलदार कार्तिकेय लाटा को त्वरित प्रभाव से निलंबित कर दिया। वहीं, उच्च स्तर से प्राप्त निर्देशों की अनुपालना में प्रकरण में जांच करवाई गई। जांच कमेटी के रिपोर्ट आधार पर कार्मिकों की पूरे प्रकरण में सिलिपता

पाए जाने पर पटवार हलका देवलिवा की हाल पटवारी नयनसी वर्मा एवं पटवार हलका देवलिवा के तत्कालीन पटवारी हाकिम सिंह गुर्जर को त्वरित प्रभाव निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी लापरवाही, गड़बड़ी या अनियमितता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि प्रत्येक शिकायत का त्वरित संज्ञान लेते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, दोषी कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए, जिससे भविष्य में ऐसी गलतियों की पुनरावृत्ति न हो। राज्य सरकार की यह संवेदनशील एवं दृढ़ पहल सुशासन को मजबूत करने, जन-विश्वास बढ़ाने तथा प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

## रॉयल पत्रिका

### संपादकीय...

# एसआईआर पर विरोध क्यों बढ़ता जा रहा है?

देश में चुनाव आयोग एसआईआर करवा रहा है। एसआईआर के कारण देश में दर्जनों बीएलओ की काम की अधिकता के कारण जान चली गई। देश की जनता अपने सभी काम-धंधा छोड़कर सिर्फ एसआईआर के फॉर्म भरने में लगी है। मजदूर, किसान और कम पढ़े-लिखे लोग एसआईआर फॉर्म भरने में परेशानी महसूस कर रहे हैं। एसआईआर में 2002 की मतदाता सूची में स्वयं का या माता-पिता का नाम जरूरी माना गया है। यदि ऐसा नहीं है तो उस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में से काट दिया जाएगा। चाहे उसके पास कितने भी दस्तावेज हो जो उसकी नागरिकता सिद्ध करते हों, नहीं माना जाएगा। बिहार में लाखों लोगों के मतदाता सूची से नाम हटा दिए गए। देश के विपक्षी दल भाजपानीत केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि एसआईआर विपक्षी पार्टियों और विरोधी विचारधारा के लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाने का तरीका है। विपक्ष पहले भी भाजपा सरकार पर मतदाता सूचियों के लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाने का तरीका है। विपक्ष पहले भी भाजपा सरकार पर मतदाता सूचियों के लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाने का तरीका है। विपक्ष पहले भी भाजपा सरकार पर मतदाता सूचियों के लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाने का तरीका है। विपक्ष पहले भी भाजपा सरकार पर मतदाता सूचियों के लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाने का तरीका है।

यह देश की जनता के लिए अजीब स्थिति बन गई है। इसी कारण देश की जनता और विपक्षी दलों में हलचल है और विरोध के स्वरो की शुरुआत कर दी गई है। विपक्षी दलों को डर है कि यदि एसआईआर वर्तमान चुनाव आयोग के अनुसार होती गई तो देश में विपक्ष इतना कमजोर हो जाएगा जिससे सरकार को कोई खतरा ही नहीं हो। चुनाव आयोग पर सरकार के पक्ष में काम करने का आरोपी नहीं है बल्कि विपक्ष सबूत दे रहा है कि चुनाव आयोग भाजपा को जिताने के लिए एक एजेंसी की तरह काम कर रहा है। एसआईआर को भी विपक्ष भाजपा विरोधी मतदाताओं को मतदाता सूचियों से हटाने का हथकड़ा माना जा रहा है। चुनाव आयोग विपक्षी दलों के किसी विरोध और सवालों का जवाब नहीं देना चाहता है। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। केंद्र सरकार और चुनाव आयोग मिलकर नए-नए ऐसे तरीके ढूंढ कर ला रहे हैं जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। ईवीएम से चुनाव अब देश में निष्पक्ष और साफ सुथरा नहीं माना जाता है। एकमात्र भारत देश में ही ईवीएम से चुनाव होता है जबकि जिन देशों ने ईवीएम को बनाया वहां अब बेलेट से चुनाव करवाए जा रहे हैं। क्योंकि ईवीएम एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन जिसको किसी पक्ष में या अपनी मंशा अनुसार हैक किया जा सकता है। इन सभी कारणों से विपक्षी पार्टियां देश में एसआईआर और ईवीएम का विरोध करने लगी है। एसआईआर के खिलाफ विरोध दिन न दिन बढ़ता जा रहा है।

## भारत में सुदृढ़ लोकतंत्र की स्थापना में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर का योगदान

किसी भी देश के प्रगति करने के लिये वहाँ के निवासियों द्वारा माने जाने वाले रीति-रिवाज और नियम काफी हद तक जिम्मेदार हैं। यही जब लिखित रूप में होते हैं तो संविधान कहलाते हैं। भारत में लोकतंत्र के पूर्व राजतंत्र था, इधर-उधर बिखरी रियासतें थी, जिनका शासन मनुस्मृति अथवा कुरान के अनुसार चलता था। ब्रिटिश शासन पहले कम्पनी के तथा बाद में भारतीय दण्ड संहिता के अनुसार चला। आजाद भारत का संविधान बनाने हेतु 41 समितियां बनाई गईं, जिनमें संविधान प्रारूप समिति प्रमुख थी, जिसके अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर थे तथा छः अन्य सदस्य थे। एक प्रकार से सारा कार्यभार डॉ. अम्बेडकर को ही वहन करना पड़ा, अतः वे ही संविधान निर्माता कहलाये। उन्होंने जो संविधान तैयार किया, वह विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान साबित हुआ। इसकी उद्देशिका को ही देखें, तो पाते हैं कि उन्होंने भारत को सुदृढ़ लोकतंत्रात्मक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है-

“हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्वसम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिये, तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म, और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिये तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिये दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1946 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला

सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद्भारत इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।” लोकतंत्र की स्थापना के लिये जिन-जिन तत्वों का होना आवश्यक है, वे सभी इसमें शामिल हैं। उक्त शब्द स्पष्टतः भारत में नई सामाजिक व्यवस्था पर बल देते हैं। जैसा कि बाबा साहेब ने संविधान सभा की 25 नवम्बर को आयोजित की गई बैठक में कहा, “संविधान सभा में मैं क्यों आया ? केवल दलित वर्ग के हितों की रक्षा करने के लिये। इससे अधिक और मेरी कोई आकांक्षा नहीं थी। यहाँ मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जायेगी, इसकी मुझे कल्पना तक नहीं थी।” बाबा साहेब के बनाये संविधान से सभी नागरिकों को उचित न्याय मिला और देश प्रगति की राह पर आगे बढ़ा। विश्व में कई ऐसे देश हैं, जो भारत के साथ स्वतंत्र हुए, परन्तु उनमें लोकतंत्र खम हो चुका है अथवा समाप्त हो रहा है, नागरिकों के अधिकार खतरे में हैं। भारत में यदि ये सब सुरक्षित हैं, फल-फूल रहे हैं तो इसका श्रेय संविधान को और अंततः संविधान निर्माता को ही है। दूर क्यों, पड़ोस में पाकिस्तान को ही लोकतंत्र के हालात सर्वविदित हैं। बाबा साहेब ने समस्त भारतीय समाज को एक इकाई मानकर सभी नागरिकों को एक समान अधिकार दिये। मूलतः भारतीय समाज भारतीय संविधान में संश्लिष्ट है। आज का भारतीय समाज सभी धर्मों तथा जातियों का समिश्रण है। जब तक कमजोर वर्ग, पिछड़े और निर्धन लोग भारतीय समाज में रहेंगे, जब तक उनके साथ न्याय नहीं होगा, तब तक देश भक्ति और राष्ट्रवाद की भवनायें निर्बल ही रहेंगी। बाबा साहेब ने संविधान में इनको



सबल बनाने के पूर्ण उपायबन्ध किये हैं, आवश्यकता केवल उनको ईमानदारी से लागू करने की है। जहाँ सामाजिक न्याय नहीं होता, वहाँ व्यक्ति की आजादी, चिंतन व अभिव्यक्ति का अभाव होने लगता है, जिससे वह अन्दर से खोखला होकर टूट-सा जाता है। व्यक्ति ही समाज और राष्ट्र को बनाता है, अतः डॉ. अम्बेडकर ने संविधान में जो उपायबन्ध किये हैं, वे इसी लिये हैं कि राष्ट्र सुदृढ़ रह सके। संविधान निर्माता के रूप में उन्होंने सभी प्रकार के भेद से ऊपर उठकर अपने कर्तव्यों को पूर्ण किया। इससे लोकतंत्र की जड़ों को मजबूती मिली। संविधान और शासन व्यवस्था का मुख्य केन्द्र व्यक्ति को माना गया है। इससे व्यक्ति की प्रतिष्ठा और गरिमा को सर्वोच्च स्थान मिलता है। एक व्यक्ति एक मत और एक मत-एक मूल्य व्यक्ति की गरिमा का द्योतक है। व्यक्ति चाहे चपरासी हो या राष्ट्रपति, भिखारी हो या खरबपति, ब्राह्मण हो या महादलित, एक ही वोट डालने का हकदार है और वोट का मूल्य

भी एक ही गिना जाता है। यह भारतीय संविधान को बाबा साहेब की अनूठी देन है जो भारत में हर प्रकार की समानता का उद्घोष करती है। भारत का संवैधानिक कानून एक ही वर्ग या समुदाय के प्रभुत्व का निषेध करता है। बाबा साहेब का कहा कि न्याय सामान्यतः स्वतंत्रता, समानता और धातुभाव का ही दूसरा नाम है। यदि सामाजिक जनतंत्र नहीं है तो राजनैतिक जनतंत्र आगे नहीं बढ़ सकता। सामाजिक न्याय की धारणाओं में बाबा साहेब की धारणा सर्वोच्च ठहरती है, जिसका आधार समस्त प्राणियों की समानता, समान प्रतिष्ठा, कमजोरों के प्रति सम्मान की भावना, समान मानवाधिकार, पारस्परिक प्रेम, सहयोग, तथा सामाजिक सद्भाव रहा है। अतः संविधान के मूल में सामाजिक न्याय के होने से देश में लोकतंत्र का सुदृढ़ होना स्वभाविक है। यदि राजनैतिक व्यवस्था के मूल में सामाजिक न्याय नहीं है तो वह व्यवस्था अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकती है। संविधान

प्रत्येक व्यक्ति के लिये उसकी योग्यता और मौलिक अधिकारों के अनुसार जीवन प्रदान करता है। यह डॉ. अम्बेडकर की विस्तृत सोच का ही नतीजा है कि हमारा संविधान धातुत्व, सामाजिक बन्धुत्व, सहयोगी रहन-सहन, प्रेम तथा मैत्री का जीवन प्रदान करता है जो कि लोकतंत्र के लम्बे जीवन हेतु आवश्यक है। यह रंग, जाति एवं धर्म के भेदभाव के बिना राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का जीवन प्रदान करता है जो कि देश में लोकतंत्र को सुदृढ़ करने हेतु महत्वपूर्ण कारक है। संविधान भारतीय सभ्यता और संस्कृति के पुरातनवादी प्रतीकों और मूल्यों को अस्वकार करता है जो कि समाज में और अंततः राष्ट्र में विश्वमता, अलगाववाद, और घृणा के बीज बोते हैं जैसे-जाति व्यवस्था, वर्ण-व्यवस्था, क्षेत्रवाद, छुआछूत आदि। अतः संविधान तो व्यवस्था का एक आधार है। उसे चलाने वाले जनप्रतिनिधि और राज्याधिकारी होते हैं। संविधान, जनप्रतिनिधि और राज्याधिकारी, तीनों का

सहयोग तथा भागीदारी आवश्यक है ताकि वे मिलकर सम्पूर्ण समाज का सामान्य हित कर सकें। और अंत में, संविधान सभा में दिये गये बाबा साहेब के ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख करना यहाँ अप्रासंगिक नहीं होगा, जिसमें उन्होंने संविधान को लेकर भावी खतरों के प्रति भारतीय नागरिकों को चेताया था- “26 जनवरी 1950 को हम अन्तर्विरोधों की जिन्दगी में प्रवेश करने जा रहे हैं। राजनीति में हम समानता प्राप्त करेंगे और हमारे सामाजिक और आर्थिक जीवन में असमानता होगी। राजनीति में हम एक आदमी एक वोट, एक वोट एक कीमत के सिद्धान्त को पाने जा रहे हैं। हम सामाजिक और आर्थिक जीवन में उक्त सिद्धान्त को अस्वीकार करते रहेंगे। प्रतिरोधों के इस जीवन को हम कब तक वहन करते रहेंगे ? हम अपने सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में कब तक समानता को नकारते रहेंगे ? अगर यह असमानता की स्थिति लगातार बनी रही तो राजनैतिक स्वतंत्रता खतरों में पड़ जायेगी। जितनी जल्दी हो सके, इस अन्तर्विरोध को समाप्त करना होगा, वरना वे लोग, जो इस असमानता को भोग रहे हैं, राजनैतिक लोकतंत्र के ढाँचे को, जिसे संविधान सभा ने बड़ी मेहनत से बनाया है, उड़ाकर रख देंगे।” अतः संविधान निर्माता तो संविधान को जितना अच्छा बना सके, बना दिया, अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम किस तरह इसे लागू कर पाते हैं जिससे कि यह सर्वश्रेष्ठ साबित हो सके। यही हमारी और से बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धाञ्जलि होगी।

डॉ. श्याम सुन्दर बैरवा  
सहायक प्रोफेसर,  
एमएलवीटीईसी, भीलवाड़ा

### औलाद: एक अमानत और एक आजमाइश

इस्लाम में औलाद को अल्लाह की तरफ से एक बहुत बड़ी नेमत और साथ ही एक अमानत करार दिया गया है। वालिदेन (माता-पिता) को इस अमानत की हिफाजत और सही तरबियत करने का हुक्म दिया गया है, जिसकी पूरा क़ायामत के दिन होगी। नबी-ए-करीम (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फ़रमाया, “तुम में से हर कोई निगहबान है और उससे उसकी रियाय (अधीनस्थों) के बारे में पूछा जाएगा।” मॉ-बाप की सबसे पहली जिम्मेदारी यह है कि वे अपनी औलाद को एक अच्छा इस्लामी माहौल दें। इसमें उन्हें

अच्छा नाम देना, सही वक्त पर अक़ीका करना और सबसे बढ़कर दीनी तालीम से आरास्ता करना शामिल है। उन्हें बचपन से ही अल्लाह की पहचान, नबी-ए-करीम (ﷺ) की मुहब्बत, कुरान की तालीम, नमाज़ की आदत और हलाल-हराम की तमीज़ सिखानी चाहिए। इसके अलावा, मॉ-बाप का फ़र्ज़ है कि वे अपनी औलाद के सामने एक बेहतरीन नमूना बनें। बच्चे नसीहत से ज़्यादा अपने वालिदेन के अमल (कर्म) से सीखते हैं। अगर वालिदेन खुद सच बोलेंगे, अमानतदार होंगे और दूसरों के साथ अच्छा सुलूक करेंगे, तो बच्चे भी इन सिफ़ात को अपनाएंगे। औलाद की तरबियत सिर्फ़ उनकी दुनियावी ज़रूरतों को पूरा करने का नाम नहीं है, बल्कि उन्हें एक अच्छा इंसान और एक सच्चा मुसलमान बनाना है ताकि वे दुनिया और आख़िरत, दोनों में कामयाब हो सकें।

## हज़रत खालिद बिन वलीद रज़ि. अ. और आपकी कुलाह (टोपी)

हज़रत खालिद बिन वलीद ज़मानाये कुफ़्र में मक्का मुकर्रिमा में पैदा हुए। जंगे ओहद को सन तीन हिजरी में लड़ी गयी थी आप (खालिद बिन वलीद) मुसलमानों के खिलाफ़ कुरेश के एक लश्कर की कमान संभाल रखे थे। जब जंग शुरू हुई तो पहले तो मुसलमानों का पल्ला भारी रहा और कुरेश की फौज में से बहुत से लोग मारे गये। इस मार काट से कुरेश (काफ़िरों) की फौज में बेतरतीबी और अफ़रा तफरी फैल गयी। मुसलमान यह समझे कि उन्होंने मैदान मार लिया है और उनको फतह हासिल हो गयी है। चुनावि उन्होंने माते-ग़नीमत लूटना शुरू कर दिया। उधर दर्रे की तरफ जिन पचास जांबाजों की हुजूर स.अ.व. ने हिफायत की जिम्मेदारी सौंपी थी और मुहाफिज़ मुकर्रर किया था वोह भी यही समझे कि जीत हो गयी और लड़ाई खत्म हो गयी तो वो भी माते-ग़नीमत के लिए दौड़े। उनके सरदार अब्दुल्लाह बिन जुबैर रज़ि.अ. ने उन्हें रोका और उन्हें हुजूर स.अ.व. का हुक्म भी याद दिलाया, मगर चन्द अफ़रात के कोई भी नहीं रुका और दर्र फौज़ चले गये। खालिद बिन वलीद ने इस मौके का फायदा उठाकर पहाड़ी के पीछे से मुसलमानों पर हमला कर दिया। हज़रत अब्दुल्ला बिन जुबैर रज़ि.अ. और उनके कुछ साथी जो दर्रे की हिफाजत के लिये बाकी रह गये थे उन्होंने मुकाबला भी किया। लेकिन वोह काफ़िरों के इस हल्ले को ना रोक सके और शहीद हो गये। अब दुश्मन मुसलमानों पर यकायफ पीछे से आकर टूट पड़े। जब भागते हुए लोगों ने जंग में यह रंग देखा तो वो ही पलट पड़े और दोनों तरफ से मुसलमानों पर हमला हो गया। मुसलमान बौखला गये और एक दम लड़ाई का पासा पलट गया। मुसलमान तितर बितर

होकर भागने लगे। इस घबराहट में यह अफवाह भी उड़ गयी कि हुजूर स.अ.व. शहीद हो गये। इस खबर से मुसलमानों के हौसले परत हो गए, उनके ओसान ख़ता हो गये और लोगों ने हिम्मत हार दी और इस तरह खालिद बिन वलीद की सूझ-बूझ से और जंगी महारथ से कुरेश को फतह और मुसलमानों को शिकस्त हो गयी। इसी जंग में हुजूर स.अ.व. जख्मी होकर एक गड्डे में गिरे थे तो हज़रत अली रज़ि.अ. और हज़रत तलहा रज़ि.अ. ने आप को निकाल कर खड़ा किया था। हज़रत खालिद बिन वलीद ने सफ़रल-मुज़फ़फ़र की सन सात हिजरी में इस्लाम कबूल किया (रज़ी.अ.) आप अपनी कुफ़्र की हालत की जिन्दगी पर बहुत अफ़सोस किया करते थे और अक्सर परेशान रहते। कुफ़राना जिन्दगी के गुनाहों की तौबा किया करते और पछताते रहते थे कि अल्लाह तआला मेरी कुफ़राना जिन्दगी के गुनाहों को माफ़ करेगा या नहीं। क्योंकि मेरी कुफ़राना जिन्दगी के गुनाह तो बेहिसाब हैं और मैंने अब इस्लाम कबूल किया है। इस पछतावे का ज़िक्र जब आपने हुजूर स.अ.व. से किया तो आप स.अ.व. ने फरमाया कि तुम अपनी पिछली जिन्दगी के गुनाहों पर रज़ीदा न हो और न परेशान हो क्योंकि अब तुमने इस्लाम कबूल कर लिया है, अल्लाह तआला तुम्हारी पिछली जिन्दगी के तमाम गुनाह इस्लाम कबूल करने की बरकत से माफ़ कर देगा। अल्लाह बड़ा रहीम करीम है। इस्लाम कबूल करने के बाद आप सहावा में शामिल हो गये। आप चूँकि बहुत क्रवी, बहादुर और आला हिम्मत वाले थे। आप जंगी उसूलों के माहिर और दुश्मन की फौज़ का किस तरह मुकाबला किया जाता है, इस फ़न में माहिर थे। इसलिये आपने

इस्लाम के फ़रोग (फैलाने) के लिये कई जंगें भी लड़ीं और फतह भी हासिल कीं जिसके बाइस आपको सैफ़ुल्लाह यानि अल्लाह की तलवार का खिताब मिला। जंग पर यूक में भी हज़रत खालिद बिन वलीद रज़ि.अ. ने शिरकत की थी। इस जंग में आपकी कुलाह जिसको हर जंग में अपने सिर पर पहन कर लड़ा करते थे, गुम हो गयी। टोपी के गुम होने पर आप बहुत परेशान हो गये क्योंकि आप इस कुलाह (टोपी) को बहुत अज़ीज़ रखते थे। आपने अहले लश्कर को आपकी टोपी तलाश करने का हुक्म दिया कि वोह टोपी तलाश करें। अहले लश्कर हैरान व परेशान थे कि आखिर इस टोपी में ऐसा क्या है जो आज इतने रज़ीदा खातिर हो रहे हैं। आखिरकार तमाम लश्कर में टोपी तलाश किये जाने पर यह टोपी दस्तवाय (मिलाना) हो गयी। जब आपको इस टोपी के गुम होने पर इतने ज़्यादा रज़ीदा, फ़िक्रमन्द और हैरानो परेशान होने का सबब मालूम किया तो आपने फरमाया कि जब नबी स.अ.व. ने उमराह किया था और जब आपने उमराह के बाद अपने सर के बाल साफ़ किये थे, तब लोग दौड़- दौड़कर आपके मुए मुबारक (बाल) इकट्ठे (जमा) कर रहे थे तो मैंने भी उनके साथ दौड़कर आपके सामने के सर के मूए मुबारक हासिल किये और उन बालों को इस टोपी में परख लिया था। जो आज तक इस टोपी में महफूज़ हैं और ये हर जंग में इस टोपी को ही पहनता हूँ। अल्लाह हुजूर के इन मुए मुबारक के तुफेल मुझे हर जंग का कामयाबी अता फरमाता है। मुशरिकों के मुखालिफ़ एक और जंग में आपको भेजा गया। इत्तेफ़ाक से जंग में जाते वक्त अपनी यह टोपी घर पर ही भूल गये। जब आपकी अहलिया ने देखा कि आप जंग को

जा चुके हैं और टोपी घर पर ही रह गयी है तो दौरान जंग ही आपकी अहलिया टोपी लेकर मैदान-ए-जंग गई। आपको टोपी पेश की, जिसको आपने अपने सर पर पहना और फिर दुश्मन से मुकाबले के लिये निकले, इस जंग में भी फतह व कामयाबी ने आपके कदम चूमे और काफ़िर “मग़लूब हो भाग खड़े हुये। इस तरह कुफ़्र पर इस्लाम का गलबा हो गया। आपका काफ़िरों पर इस कदर रौब व दबदबा कि आप जिस लश्कर की कमान संभालते थे तो दुश्मन आपके नाम से ही मैदान छोड़ देते थे। एक जंग में हज़रत खालिद बिन वलीद रज़ि.अ. का मुकाबला रूमी लश्कर से था। जब रूमी फरमांखा को यह खबर मिली कि हमारे मुकाबले में खालिद बिन वलीद अपने लाओ लश्कर के साथ मुकाबले पर आ रहे हैं तो उसने फौरन सुलह का पैगाम भेजा और बगैर किसी जंग के ही सुलह हो गयी। आप अपनी फतहयाबी की हुजूर स.अ.व. की दुआओं और आपके मुए मुबारक के तुफेल मानते थे जिनके वाइसही आपने कोई जंग नहीं हारी। हमारे पास हुजूर स.अ.व. की दुआएं और तबरेक़त तो नहीं है, मगर आपकी सीरत, सुन्नत, असवाए हसना और कुरआनी तालीमात मौजूद हैं। इसलिये हमको इन पर ज़्यादा से ज़्यादा अमल करने और इनको अपनी दुनियावी जिन्दगी में ढालने की कोशिश करनी चाहिये। ताकि हम दुनिया आखिरत में कामयाबी व कामरानी हासिल कर सकें। अल्लाह तआला मुझे और सबको आप स.अ.व. की तालीमात और सुन्नत पर अमल की तोफ़ीक अता फरमाए। अमीन

-हबीबुल्ला एडवोकेट,  
जवाहर नगर, जयपुर

## टीपू सुल्तान:

### शेर-ए-मैसूर

“एक दिन बाघ के रूप में जीना एक हजार साल भेड़ के रूप में जीने से बेहतर है”

(1 दिसंबर 1751 - 4 मई 1799)

सुल्तान फतेह अली साहब टीपू ; जिसे आमतौर पर शेर-ए-मैसूर कहा जाता है। 1782 से 1799 में अपनी मृत्यु तक मैसूर के सुल्तान थे। वह रॉकेट तोपखाने के अग्रणी थे। उन्होंने लोहे के आवरण वाले मैसूर के रॉकेटों का विस्तार किया और सैन्य मैन्युअल फतुल मुजाहिदीन को चालू किया। मैसूर की अर्थ-व्यवस्था उनके शासनकाल के दौरान चरम पर पहुंच गई। उन्होंने एंग्लो-मैसूर युद्धों के दौरान ब्रिटिश सेनाओं और उनके सहयोगियों के अग्रिमों के खिलाफ रॉकेट तैनात किए, जिसमें पोलिलुर की लड़ाई और श्रीरंगपट्टनम की घेराबंदी शामिल थी। टीपू सुल्तान और उनके पिता हैदर अली ने फ्रांसीसियों के साथ गठबंधन में अपनी फ्रांसीसी प्रशिक्षित सेना का इस्तेमाल अंग्रेजों के खिलाफ किया। 1782 में द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध के दौरान कैसर से अपने पिता की मृत्यु के बाद टीपू मैसूर के शासक बने। टीपू ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का दुश्मन बना रहा। चौथे आंग्ल-मैसूर युद्ध में मराठों और हैदराबाद के निज़ाम द्वारा समर्थित ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की संयुक्त सेना ने टीपू को पराजित किया। 4 मई 1799 को अपने गढ़ श्रीरंगपट्टनम की रक्षा करते हुए उसकी मृत्यु हो गई। टीपू सुल्तान का जन्म 1 दिसंबर 1751 को बेंगलुरु से लगभग 33 किमी (21 मील) उत्तर में, वर्तमान बेंगलुरु ग्रामीण जिले के देवनहल्ली में हुआ था। उनका नाम अकटि के संत टीपू मस्तान औलिया के नाम पर “टीपू सुल्तान” रखा गया था। टीपू के पिता, हैदर अली, मैसूर साम्राज्य में सेवारत एक सैन्य अधिकारी थे, जो 1761 में मैसूर के वास्तविक शासक बन गए थे। हैदर अली ने टीपू को उर्दू , फ़ारसी, अरबी, कन्नड़, बेरी, कुरान, इस्लामी न्याय-शास्त्र, घुड़सवारी, निशानेबाज़ी और तलवारबाज़ी जैसे विषयों की प्रारंभिक शिक्षा देने के लिए टीपू अन्य धार्मिक त्योहारों को भी मनाने की अनुमति देने में धर्म-निरपेक्ष थे। टीपू सुल्तान और बाकी भारतीय, जबकि टीपू सुल्तान के पिता, हैदर अली, मैसूर साम्राज्य में सेवारत एक सैन्य अधिकारी थे, जो 1761 में मैसूर के वास्तविक शासक बन गए थे। हैदर अली ने टीपू को उर्दू , फ़ारसी, अरबी, कन्नड़, बेरी, कुरान, इस्लामी न्याय-शास्त्र, घुड़सवारी, निशानेबाज़ी और तलवारबाज़ी जैसे विषयों की प्रारंभिक शिक्षा देने के लिए टीपू अन्य धार्मिक त्योहारों को भी मनाने की अनुमति देने में धर्म-निरपेक्ष थे। टीपू सुल्तान की सेना द्वारा इस्तेमाल की गई बहुत छोटी तोप अब सरकारी संग्रहालय (एमएम), चेन्नई में है। टीपू सुल्तान ने 18 फरवरी 1782 को तंजौर के पास अन्नगुड़ी में कर्नल ब्रेथवेट को हराया। ब्रेथवेट



की सेना, जिसमें 100 यूरोपीय, 300 घुड़सवार, 1400 सिपाही और 10 फील्ड पीस शामिल थे। टीपू सुल्तान ने उनकी सभी बंदूकें जब्त कर लीं और टुकड़ी को बंदी बना लिया। 29 दिसंबर 1782 को, टीपू सुल्तान ने 32 वर्ष की आयु में नवाब टीपू सुल्तान बहादुर की उपाधि के साथ खुद को मैसूर का बादशाह घोषित किया और सिक्का भी चलाया। 1799 में तीना सेनाओं ने मैसूर में प्रवेश किया। एक बॉम्बे से और दो ब्रिटिश, जिनमें से एक में आर्थर वेलेस्ली शामिल थे। उन्होंने चौथे मैसूर युद्ध में राजधानी श्रीरंगपट्टनम को घेर लिया। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के 60,000 से अधिक सैनिक थे, लगभग 4,000 यूरोपीय और बाकी भारतीय, जबकि टीपू सुल्तान की सेना की संख्या केवल 30,000 के आस-पास थी। टीपू सुल्तान के मंत्रियों द्वारा अंग्रेजों के साथ काम करने और अंग्रेजों के लिए एक आसान रास्ता बनाने के लिए दीवारों को कमजोर कर दिया था। जब अंग्रेजों ने शहर की दीवारों को तोड़ दिया तो फ्रांसीसी सैन्य सलाहकारों ने टीपू सुल्तान को गुप्त मार्गों से भागने और बाकी टीपू सुल्तान के शासनकाल में हुई था। टीपू ने प्रसिद्ध रूप से कहा था “एक दिन बाघ के रूप में जीना एक हजार साल भेड़ के रूप में जीने से बेहतर है”। जब उनकी

मृत्यु हुई तो ब्रिटेन में खुशी का जश्न मनाया गया। टीपू ने अपने शासनकाल के दौरान एक नया कैलेंडर, नया सिक्का और सात नए सरकारी विभाग शुरू किए, तथा रॉकेट के उपयोग में सैन्य नवाचार किए। टीपू सुल्तान द्वारा उपयोग किए गए मैसूर रॉकेटों को बाद में अंग्रेजों द्वारा अद्यतन किया गया और नेपोलियन बोनापार्ट युद्धों के दौरान क्रमिक रूप से नियोजित किया गया। दुलारी कुरेशी के अनुसार टीपू सुल्तान एक भयंकर योद्धा राजा थे और उनकी चाल इतनी तेज थी कि दुश्मन को ऐसा लगता था कि वह एक ही समय में कई मोर्चों पर लड़ रहे हैं। वह ब्रिटिश सेनाओं को हराने वाले कुछ भारतीय शासकों में से एक थे। टीपू सुल्तान के नौवाहन विभाग में एक मीर याम की सेवा में 11 कमांडर शामिल थे। टीपू सुल्तान ने आदेश दिया कि जहाजों के तले तांबे के हों, इस विचार से जहाजों की उम्र बढ़ गई और एडमिरल सुफ्रेन ने टीपू को इस विचार से परिचित कराया। मैसूर रेशम उद्योग की शुरुआत सबसे पहले टीपू सुल्तान के शासनकाल में हुई थी। उन्होंने रेशम की खेती और प्रसंस्करण का अध्ययन करने के लिए बंगाल सूबे में एक विशेषज्ञ को भेजा, जिसके बाद मैसूर ने पॉलीवोल्टाइन रेशम का विकास शुरू किया। टीपू और मैसूर का

रेशम से नाता 1780 के दशक की शुरुआत में शुरू हुआ जब चीन उनके दरबार में आये राजदूत किंग राजवंश ने उन्हें एक मूल्यी कपड़ा भेंट किया। टीपू इस रेशमी कपड़े से इतना प्रभावित हुआ कि उसने अपने राज्य में इसका उत्पादन शुरू करने का संकल्प लिया। उसने चीन को एक वापसी यात्रा भेजी, जो बारह साल बाद लौटी। 1787 में, टीपू सुल्तान ने ओटोमन साम्राज्य की राजधानी कॉन्स्टेंटिनोपल में ओटोमन सुल्तान अब्दुल हमीद प्रथम के पास एक दूलावास भेजा और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ तत्काल सहायता का अनुरोध किया। टीपू सुल्तान ने ओटोमन सुल्तान से सेना और सैन्य विशेषज्ञ भेजने का अनुरोध किया। विशेषज्ञ अलावा, टीपू सुल्तान ने मक्का, मदीना, नजफ़ और कर्बला में इस्लामी धार्मिक स्थलों के रख-रखाव में योगदान देने के लिए ओटोमन साम्राज्य से अनुमति भी मांगी। टीपू सुल्तान ने हिंदू और मुस्लिम प्रजा के लिए दोनों समुदायों के न्यायाधीश नियुक्त किए। प्रत्येक प्रांत में मुसलमानों के लिए कादी और हिंदुओं के लिए पंडित नियुक्त किए गए। उच्च न्यायालयों की भी ऐसी ही व्यवस्था थी। टीपू सुल्तान के कोषाध्यक्ष कृष्ण राव थे, शंभया अयंगर उनके डाक और पुलिस मंत्री थे, उनके भाई रंगा अयंगर भी एक अधिकारी थे, और पूर्णैया “मीर आसफ़” के अत्यंत महत्वपूर्ण पद पर थे। मूलचंद और सुजान राय मुग़ल दरबार में उनके प्रमुख प्रतिनिधि थे, और उनके प्रमुख “पेशकार”, सुबा राव भी एक हिंदू थे। 1791 में मराठा-मैसूर युद्ध के दौरान रघुनाथ राव पटवर्धन के नेतृत्व में मराठा घुड़सवारों के एक समूह ने श्रींगेरी शंकराचार्य के मंदिर और मठ पर धावा बोल दिया। उन्होंने ब्राह्मणों सहित कई लोगों को घायल कर दिया और मार डाला, मठ की सारी मूल्यवान संपत्ति लूट ली, और देवी शांदा की मूर्ति को हटाकर मंदिर को अपवित्र कर दिया। उनके प्रशासन में शराब और वेश्यावृत्ति का उपयोग सख्त वर्जित था। केरल में बहुपति प्रथा पर टीपू सुल्तान ने प्रतिबंध लगा दिया था। उन्होंने सभी महिलाओं को अपने स्तन ढकने का आदेश दिया, जो कि पिछले काल में केरल में प्रचलित नहीं था।

## मग्न पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 4009 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने 4 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 दिसंबर से शुरू होगी। आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट mpwz.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 21 जनवरी तक की गई है। रिजल्ट 15 मई 2026 को जारी किया गया है।

**आवेदन शुरू :** 20 दिसम्बर से 21 जनवरी 2026 तक

**एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :** बीटेक, बीई, डिप्लोमा, आईटीआई की डिग्री, 12वीं पास, जीएनएम, एमएससी, एमटेक, एमसीए, पीजी डिप्लोमा या समकक्ष डिग्री।

**एज लिमिट :** न्यूनतम : 18 साल अधिकतम : 40 साल रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

**सिलेक्शन प्रोसेस :** रिटन टेस्ट डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन फीस : जनरल, अन्य राज्य के उम्मीदवार : 1200 रुपए ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एससी, एसटी, पीएच : 600 रुपए

**सैलरी :** 18,000 - 42,700 रुपए प्रतिमाह अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

**एग्जाम पैटर्न :** जारी नहीं

**ऐसे करें आवेदन :** ऑफिशियल वेबसाइट mpwz.co.in पर जाएं। रिजल्ट में सेक्शन पर क्लिक करें। ऑनलाइन अप्लाई के लिए पर क्लिक करें। मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें। जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें। फीस जमा करके फॉर्म सबमिट करें। इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

## आवश्यकता

वोडाफोन & एयरटेल कंपनी को केनोपी पर बैठने के लिए महिला व पुरुष स्टाफ की जरूरत है, जो कस्टमर को सिम वगैरा दे / बैच सके !

सैलरी 12K से ₹15,000 ईसेंटिव 90000 अलग से हैं

जॉब लोकेशन : चार दरवाजा, रामगंज, घाट गेट, राजा पार्क, आदर्श नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, आगरा रोड

कॉल करें @ HR इरफान अख्तर 9828 733222

घर पर छोटे से बच्चे को संभालने के लिए महिला स्टाफ की जरूरत है, जो बच्चे की अच्छे से देखभाल कर सके!

सिरसी रोड : नीता मैम खातीपुरा : पूजा मैम

सैलरी : 10 से 13 से ₹14,000 रुपए तक + रहना + खाना फ्री है

HR Irfan Akhtar 9828733222

Limra Foundation & E-commerce Institute

We Do hire all kinds of Staffs

फेज़ान साहब के जयपुरी रजाई को चेक और पैक करने के लिए हेल्पर स्टाफ की जरूरत है काम ट्रेनिंग में सिखा दिया जाएगा, ट्रेनिंग की सैलरी भी मिलेगी! ट्रेनिंग में पगार : 6 हजार

अगले महीने से पगार 10 हजार जॉब लोकेशन ! गंगापोल -चार दरवाजा जयपुर

HR @ Iran Akhtar 98287 33222

लेडिज एथेनिक गारमेंट शोरूम के लिए महिला स्टाफ की जरूरत है जो लेडिज कस्टमर का सपोर्ट कर सके!

सैलरी : 10K से ₹14,000 तक जॉब लोकेशन □: सोडाला, सिविल लाइन और सांगानेरी गेट जयपुर

HR Irfan Akhtar @ 9828733222

□Limra Foundation

□LIMRA Institute of Digital Technology & E-commerce

वैशाली नगर में गारमेंट शोरूम के लिए गर्ल्स / बॉय स्टाफ की जरूरत है!

अनुभवी स्टाफ को प्राथमिकता दी जाएगी!

जॉब लोकेशन : वैशाली नगर जयपुर

सैलरी 14K से ₹20,000 तक

HR Irfan Akhtar # Hiteshi Sharma 9828733222

LIMRA Foundation

खान साहब के यहां पर राजा पार्क, आदर्श नगर और रामगंज, चौपड़ की साइड में न्यूज़ पेपर बांटने के लिए स्टाफ की जरूरत है

सैलरी ₹10,000 + गाड़ी का पेट्रोल HR 9828733222

चाँदपोल / M। रोड़ पे किन्ही खान साहब की होटेल लिए स्टाफ की जरूरत है। 1) एक कुक स्टाफ की जरूरत है ₹15K से 25 हजार तक! जिन्हें खाना व सब्जियां अच्छी बनाना आता हो। 2) मैनेजर स्टाफ की जरूरत है 15-16K कोई भी 12th / ग्रेजुएट स्टाफ अप्लाई कर सकता है। 3) रूम बॉय की जरूरत है 10K! प्लेस : □चाँदपोल / M। रोड़ जयपुर HR इरफान अख्तर 9828733222 लिमरा फाउंडेशन लिमरा डिजिटल इंस्टिट्यूट आदर्श नगर जयपुर

## भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता मौलाना महमूद हसन जिन्हें शेखुल हिंद के नाम से जाना जाता है

मौलाना महमूद हसन, जिन्हें "शेखुल हिन्द" के नाम से जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक महान नेता, धार्मिक विद्वान, समाज-सुधारक और दारुल उलूम देवबंद के प्रधानाचार्य थे, जिन्होंने अपने जीवन का उद्देश्य सिर्फ देश को अंग्रेज़ी हुकूमत से आज़ाद कराना बना लिया था।

**प्रारंभिक जीवन और शिक्षा-** मौलाना महमूद हसन का जन्म 1851 में बरेली (उत्तर प्रदेश) के एक धर्मपरायण परिवार में हुआ था। उनके पिता मौलाना जुल्फिकार अली एक प्रतिष्ठित विद्वान थे, और महमूद हसन को भी बचपन से ही इस्लामी तालीम और अरबी-फारसी की शिक्षा मिली। मात्र 6 वर्ष की उम्र में कुरआन, अरबी और फारसी की विशेष शिक्षा आरंभ हो गई थी। 15 वर्ष की उम्र में वे तत्कालीन भारत के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक शिक्षा केंद्र, दारुल उलूम देवबंद में शामिल हुए। उनकी सौच थी कि हिन्दू-मुस्लिम एकता ही देश को इंग्लिश सत्ता से आज़ाद कराएगी, अतः उन्होंने सदैव आपसी सहयोग पर बल दिया। "रेशमी पत्र आंदोलन" (Silk Letter Movement) के माध्यम से उन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ बड़े स्तर पर योजना बनाई, जिसमें देश के भीतर और बाहर क्रांतिकारी गतिविधियों का समन्वय किया गया। यह आंदोलन उस समय भारतीय उपमहाद्वीप, अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक फैला, जिसमें मौलाना ओबैदुल्लाह सिंधी और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने नेतृत्व किया था। अंग्रेज़ सरकार ने साजिश का पता चलने पर मौलाना महमूद हसन और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार करके माल्टा (यूरोप) की जेल में कैद कर दिया, जहाँ उन्होंने तीन साल सात महीने बहुत कठोर यातनाएं झेलीं। मौलाना महमूद हसन का मानना था कि धर्म और राजनीति को अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने समाज को अंधविश्वास, रूढ़ियों और सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध जागरूक किया, और मुस्लिम समाज में शिक्षा, सुधार, धार्मिक स्वतंत्रता और राजनीतिक चेतना की लहर पैदा की। उन्होंने



दारुल उलूम के प्रधानाचार्य बनाए गए।

**स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी-** मौलाना महमूद हसन ने भारत की स्वतंत्रता के लिए मुसलमानों को जागरूक करने और फिर्गियों के विरुद्ध एक नई चेतना जगाने का कार्य किया। स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका बहुआयामी थी। उन्होंने 1905 में औपचारिक तौर पर देवबंद से ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आंदोलन आरंभ किया। उनकी सौच थी कि हिन्दू-मुस्लिम एकता ही देश को इंग्लिश सत्ता से आज़ाद कराएगी, अतः उन्होंने सदैव आपसी सहयोग पर बल दिया। "रेशमी पत्र आंदोलन" (Silk Letter Movement) के माध्यम से उन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ बड़े स्तर पर योजना बनाई, जिसमें देश के भीतर और बाहर क्रांतिकारी गतिविधियों का समन्वय किया गया। यह आंदोलन उस समय भारतीय उपमहाद्वीप, अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक फैला, जिसमें मौलाना ओबैदुल्लाह सिंधी और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने नेतृत्व किया था। अंग्रेज़ सरकार ने साजिश का पता चलने पर मौलाना महमूद हसन और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार करके माल्टा (यूरोप) की जेल में कैद कर दिया, जहाँ उन्होंने तीन साल सात महीने बहुत कठोर यातनाएं झेलीं। मौलाना महमूद हसन का मानना था कि धर्म और राजनीति को अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने समाज को अंधविश्वास, रूढ़ियों और सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध जागरूक किया, और मुस्लिम समाज में शिक्षा, सुधार, धार्मिक स्वतंत्रता और राजनीतिक चेतना की लहर पैदा की। उन्होंने

**जरूरी डॉक्यूमेंट्स :** डेट ऑफ बर्थ के रूप में संबंधित शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी 10वीं/एएएसएलसी/ मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट और मार्कशीट जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो) जाति वैधता प्रमाण पत्र (केवल महाराष्ट्र राज्य के लिए लागू) पीडब्ल्यूबीटी प्रमाण पत्र (यदि लागू हो) नवीनतम ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र (यदि लागू हो) पैन कार्ड/ आधार कार्ड हालिया रंगीन पासपोर्ट साइज की फोटोग्राफ नीली स्थायी में सिग्नेचर।

**ऐसे करें आवेदन :** IOCL की ऑफिशियल वेबसाइट iocl.com पर जाएं। होम पेज पर उपलब्ध करियर लिंक पर क्लिक करें। एक नया पेज खुलेगा जहाँ रजिस्ट्रेशन लिंक उपलब्ध होगा। लिंक पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें। अपने अकाउंट में लॉग इन करके फॉर्म भरें। फॉर्म सबमिट करें। आगे की जरूरत के लिए इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

## रेलवे में अप्रेंटिस के 4116 पदों पर निकली भर्ती

आरआरसी नॉर्दन ईस्ट की ओर से 4116 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस भर्ती अभियान के तहत फिटर, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, कारपेंटर आदि जैसे ट्रेड्स में अप्रेंटिस भर्ती की जाएगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rrcn.org पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। आवेदन शुरू: 25 नवंबर 2025 लास्ट डेट: 24 दिसंबर 2025

**एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :** 10वीं पास, ITI या समकक्ष डिग्री।

**एज लिमिट :** अधिकतम 24 साल

**फीस :** सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस - 100 रुपए

## प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न (पिछले अंक से जारी)

प्रश्न 39. चोल वंश की नौसेना का प्रमुख आधार स्थल था — (A) नागपट्टिनम (B) कांचीपुरम (C) मदुरै (D) उरैयूर

उत्तर: (A)

व्याख्या: नागपट्टिनम चोलों का प्रमुख नौसैनिक केंद्र था, जिससे उन्होंने दक्षिण-पूर्व एशिया तक व्यापार और विजय की।

प्रश्न 40. 'अप्सराएँ' किस धर्मग्रंथ में पहली बार वर्णित हैं? (A) ऋग्वेद (B) अथर्ववेद (C) उपनिषद (D) पुराण

उत्तर: (A)

व्याख्या: अप्सराओं का उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है, जहाँ वे स्वर्ग की नर्तकियों के रूप में वर्णित हैं।

प्रश्न 41. 'चरक संहिता' का संबंध किस विषय से है? (A) गणित (B) चिकित्सा (C) दर्शन (D) ज्योतिष

उत्तर: (B)

व्याख्या: चरक संहिता आयुर्वेद का प्रमुख ग्रंथ है, जो चिकित्सा विज्ञान पर आधारित है।

प्रश्न 42. 'सुषुत संहिता' में मुख्यतः क्या वर्णित है? (A) खगोलशास्त्र (B) शल्यचिकित्सा (C) वास्तुकला (D) कृषि

उत्तर: (B)

व्याख्या: सुषुत संहिता शल्यचिकित्सा पर आधारित है और सुषुत को शल्य चिकित्सा का जनक कहा जाता है।

प्रश्न 43. 'मनुस्मृति' का प्रमुख विषय क्या है? (A) अर्थशास्त्र (B) धर्मशास्त्र (C) युद्धकला (D) विज्ञान

उत्तर: (B)

व्याख्या: मनुस्मृति धर्मशास्त्र से संबंधित ग्रंथ है जिसमें समाज के नियम, वर्ण व्यवस्था और नीति का वर्णन है।

प्रश्न 44. पतंजलि किस विषय से संबंधित थे? (A) व्याकरण (B) योग (C) चिकित्सा (D) ज्योतिष

उत्तर: (B)

व्याख्या: पतंजलि योगसूत्र के रचयिता थे, जिन्हें योग दर्शन का प्रवर्तक माना जाता है।

प्रश्न 45. 'अर्थशास्त्र' के रचयिता कौन थे? (A) अशोक (B) अशोक (C) अशोक (D) अशोक

(A) विष्णु शर्मा (B) कौटिल्य (वाणक्य) (C) कालिदास (D) पाणिनि

उत्तर: (B)

व्याख्या: कौटिल्य (वाणक्य) ने अर्थशास्त्र की रचना की, जो राजनीति, अर्थव्यवस्था और प्रशासन पर आधारित है।

प्रश्न 46. 'पाणिनि' किस विषय के विद्वान थे? (A) गणित (B) व्याकरण (C) राजनीति (D) खगोल

उत्तर: (B)

व्याख्या: पाणिनि संस्कृत व्याकरण के महान विद्वान थे, उनकी 'अष्टाध्यायी' प्रसिद्ध ग्रंथ है।

प्रश्न 47. 'धम्मचक्रपवत्तन सुत्त' क्या है? (A) बुद्ध का प्रथम उपदेश (B) बुद्ध की मृत्यु (C) बुद्ध का दीक्षा ग्रहण (D) बुद्ध का निर्वाण

उत्तर: (A)

व्याख्या: बुद्ध का पहला उपदेश 'धम्मचक्रपवत्तन सुत्त' कहलाता है, जो सारनाथ में पाँच भिक्षुओं को दिया गया था।

प्रश्न 48. बौद्ध धर्म की शाखाएँ कितनी हैं? (A) दो (B) तीन (C) चार (D) पाँच

उत्तर: (A)

व्याख्या: बौद्ध धर्म की दो प्रमुख शाखाएँ हैं — हीनयान और महायान।

प्रश्न 49. बौद्ध धर्म का प्रतीक 'धर्मचक्र' क्या दर्शाता है? (A) शासन (B) जीवन का चक्र (C) धर्म के प्रवर्तन का प्रतीक (D) बुद्ध की जन्मभूमि

उत्तर: (C)

व्याख्या: धर्मचक्र बुद्ध के धर्म प्रचार का प्रतीक है, जिसका प्रयोग अशोक के चिह्नों में भी हुआ है।

प्रश्न 50. 'त्रिपिटक' किस धर्मग्रंथ का नाम है? (A) जैन (B) बौद्ध (C) वैदिक (D) शैव

उत्तर: (B)

व्याख्या: त्रिपिटक बौद्ध धर्म के तीन प्रमुख ग्रंथ हैं — विनय पिटक, सुत्त पिटक और अभिधम्म पिटक।

**-डॉ. एम . ए. खान प्रोफेसर (भूगोल)**

## मोबाइल एडिक्शन: डिजिटल दुनिया का फंदा, जो दिमागी बीमारियों को दे रहा जन्म

अगर आज आपसे पूछा जाए कि क्या आपको मोबाइल की लत है, तो शायद जवाब होगा— "नहीं"। लेकिन सच्चाई ये है कि अगर हर घंटे फोन ना देखें तो बेचनी होने लगती है, ध्यान भटकता है और कई बार तो खाना भी सही से नहीं पचता। आज के दौर में मोबाइल सिर्फ एक जरूरत नहीं, बल्कि आदत से आगे बढ़कर एडिक्शन बन चुका है। यही एडिक्शन अब इंसान को दिमागी तौर पर बीमार कर रहा है—और यह कोई भावना नहीं, बल्कि स्टीडीज़ और ग्राउंड रिपोर्ट्स का डराने वाला सच है। गुड मॉर्निंग से लेकर गुड नाइट तक उंगलियाँ बस स्क्रीन पर चलती रहती हैं। आँखें फोन में जमी रहती हैं और दिमाग एक अलग ही डिजिटल दुनिया में कैद हो जाता है। हकीकत की ज़िंदगी से कटकर लोग वर्चुअल लाइव्स, रील्स और नोटिफिकेशन में उलझते जा रहे हैं। इसी डिजिटल फंदे को तोड़ने का एक बड़ा सबक हमें महाराष्ट्र के सांगली जिले के एक छोटे से गांव से मिला है।



जब पूरा गांव करता है डिजिटल डिटॉक्स- सांगली जिले का मोहीत्यांचे वडगांव आज पूरे देश में चर्चा का विषय है। यहाँ हर शाम ठीक 7 बजे एक सायरन बजता है। इस सायरन का मतलब होता है— डिजिटल डिटॉक्स टाइम स्टार्ट। सायरन बजते ही पूरा गांव मोबाइल, लैपटॉप, टीवी सब बंद कर देता है। कोई बच्चों के साथ बैठकर होमवर्क करता है, कोई बुजुर्गों से हाल-चाल पूछता है, कोई आंगन में टहलता है, तो कोई पड़ोसियों से बातचीत करता है। पूरा गांव एक घंटे तक "ऑफलाइन हीलिंग" यानी मन की मरम्मत करता है। यह छोटा-सा प्रयोग आज उस समस्या का इलाज बन गया है, जिससे पूरी दुनिया जूझ रही है।

**क्यों जरूरी है डिजिटल डिटॉक्स?** आज के दौर में करीब 73% लोग रोज 6 से 7 घंटे स्क्रीन पर समय बिताते हैं। इसका सीधा असर दिमाग पर पड़ रहा है। Screen Fatigue: दिमाग लगातार थकान महसूस करता है Attention Drain: ध्यान की क्षमता खत्म होती जाती है Phantom Vibration: फोन वाइब्रेट न भी हो, तब भी जब में कंपन महसूस होना ये लक्षण बताते हैं कि मामला सिर्फ आदत का नहीं, बल्कि मानसिक सेहत का बन चुका है।

**बच्चों पर और ज्यादा खतरनाक असर-** कोरोना के बाद बच्चों में मोबाइल एडिक्शन तेजी से बढ़ा है। अयोध्या के एक मेडिकल कॉलेज में सामने आए मामले में एक किशोर नोमो-फोबिया से पीड़ित पाया गया—यानी मोबाइल से दूर

रहने का डर। वह कई दिनों तक कमरे से बाहर नहीं निकलता था और वर्चुअल वर्ल्ड को ही असली दुनिया समझने लगा था। इसका बड़ा कारण है Algorithm Trap। मोबाइल बार-बार वही कंटेंट दिखाता है जो हमें पसंद आता है, और हम बिना समझे उसी में फंसते चले जाते हैं। इसके बाद पैदा होता है Scroll Guilt—स्कॉल करते रहने का अफसोस, लेकिन रुक न पाने की मजबूरी।

**पढ़ाई, नौकरी और नींद—सब पर असर-** मोबाइल-लैपटॉप पर घंटों काम करने वाले लोग बड़ी संख्या में बीमार हो रहे हैं। 14 से 24 साल के युवाओं में पिछले एक साल में 15 से 20% तक मामले बढ़े, युवा रोज 5-6 घंटे मोबाइल पर बिताते हैं, MNC कर्मचारियों का हाल और बुरा—8 घंटे लैपटॉप + 5-6 घंटे मोबाइल, मोबाइल एडिक्शन के कारण 60% लोगों में नींद की बीमारी नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, आत्मविश्वास की कमी और रिश्तों में कड़वाहट बढ़ रही है।

**आँखों का दुश्मन बनता स्मार्टफोन-** स्मार्टफोन से निकलने वाली ब्लू लाइट रेडिना को नुकसान पहुंचाती है। इससे होने वाली समस्याएँ हैं—नजर कमजोर होना, आँखों में ज़ाईनेस, पलकों में सूजन, आँखों की रेडनेस, तेज रोशनी से परेशानी, लगातार एकटक देखने की आदत, इसी को डॉक्टर Smartphone Vision Syndrome कहते हैं। बच्चे और फोन का मिसपूज, आज कई बच्चे मोबाइल का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन अधिकांश माता-पिता इससे अनजान हैं। करीब 90% पेरेंट्स बच्चों की स्क्रीन एक्टिविटी पर ध्यान नहीं देते। नतीजा—न लत छूटती है, न कंट्रोल बनता है, और समस्या बढ़ती जाती है।

**समाधान: डिजिटल बाउंड्री तय करें-** मोबाइल से दूरी बनाना मुश्किल है, लेकिन डिजिटल बाउंड्री बनाना जरूरी है—

रात को No-Phone Zone बनाएं खाने के समय स्क्रीन पूरी तरह बंद रखें परिवार के साथ रोज तय समय पर Real Talk Time रखें योग और ध्यान से मन को डिटॉक्स करें बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम तय करें मोबाइल तकनीक है, मालिक नही। अगर आज हमने खुद को कंट्रोल नहीं किया, तो आने वाले समय में यह लत हमें मानसिक, शारीरिक और सामाजिक तौर पर कमजोर बना देगी। अब वक्त है स्क्रीन से नज़र हटाकर ज़िंदगी को देखने का—क्योंकि असली दुनिया अभी भी मोबाइल के बाहर ही है।

## 12वीं आर्ट्स के बाद ये 10 कोर्स बना सकते हैं शानदार करियर, जानिए बेस्ट करियर ऑप्शन्स

एक समय था जब यह माना जाता था कि अच्छा और सुरक्षित करियर सिर्फ साइंस या कॉमर्स के स्टूडेंट्स ही बना सकते हैं। आर्ट्स से 12वीं करने वाले छात्रों को अक्सर यह सुनने को मिलाता था कि उनके पास आगे विकल्प सीमित हैं। लेकिन बदलते दौर में यह सोच पूरी तरह बदल चुकी है। आज आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए भी ऐसे कई कोर्स और करियर ऑप्शन्स मौजूद हैं, जिनसे वे न सिर्फ अच्छी नौकरी पा सकते हैं, बल्कि अपनी रुचि के मुताबिक पहचान भी बना सकते हैं। आज कला, मीडिया, कानून, मैनेजमेंट, टूरिज्म, फैशन और हॉस्पिटैलिटी जैसे सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इन क्षेत्रों में आर्ट्स बैकग्राउंड से आए युवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है। अगर आपने भी 12वीं आर्ट्स से की है और भविष्य को लेकर कन्फ्यूज्ड हैं, तो यहां बताए गए ये 10 कोर्स आपके करियर को मजबूत दिशा दे सकते हैं।

**बैचलर ऑफ आर्ट्स (BA)** बीए आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए सबसे पारंपरिक और भरोसेमंद कोर्स है। भारत की लगभग हर यूनिवर्सिटी में यह कोर्स उपलब्ध है। इसमें आप हिंदी, इंग्लिश, हिस्ट्री, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, इंटरनेशनल रिलेशंस जैसे विषयों में ऑनर्स कर सकते हैं। बीए के बाद आप एमए, एमफिल या पीएचडी करके प्रोफेसर या रिसर्चर बन सकते हैं। इसके अलावा बैंकिंग, प्रशासनिक सेवाएँ, SSC, UPSC और अन्य सरकारी नौकरियों के रास्ते भी खुल जाते हैं।

**बीए एलएलबी (BA LLB)** अगर आपकी रुचि कानून और न्याय व्यवस्था



में है, तो बीए एलएलबी एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह पांच साल का इंटीग्रेटेड कोर्स होता है। इसके बाद आप एडवोकेट बन सकते हैं या कॉर्पोरेट सेक्टर में लीगल एडवाइजर के रूप में काम कर सकते हैं। ज्यूडिशियल सर्विसेज की तैयारी करके सिविल जज या जिला जज बनने का रास्ता भी इसी कोर्स से निकलता है।

**बैचलर इन होटल मैनेजमेंट (BHM)** होटल और हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। अगर आप लोगों से मिलना-जुलना पसंद करते हैं और मैनेजमेंट स्किल्स अच्छी हैं, तो होटल मैनेजमेंट आपके लिए सही फील्ड हो सकती है। IHM जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से इस कोर्स को करने के बाद आप देश-विदेश के बड़े होटलों में अच्छे पैकेज पर जॉब पा सकते हैं।

**बैचलर इन फाइनेंस (BFA)** अगर आपके अंदर क्रिएटिव सोच है और आप पेंटिंग, स्क्रलपचर, फोटोग्राफी या डिजाइन में रुचि रखते हैं, तो बीएफए आपके लिए शानदार विकल्प है। इस कोर्स के बाद आप आर्टिस्ट, ग्राफिक डिजाइनर, इलस्ट्रेटर या आर्ट टीचर के रूप में करियर बना सकते हैं।

**बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (BBA)** आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए मैनेजमेंट में जाने का सबसे आसान रास्ता बीबीए है। इस कोर्स में बिजनेस, मार्केटिंग, फाइनेंस और ऑपरेशंस से जुड़ी बेसिक जानकारी दी जाती है। बीबीए के बाद एमबीए करके आप मल्टीनेशनल कंपनियों में शानदार पैकेज पा सकते हैं या खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

**फैशन डिजाइनिंग** फैशन इंडस्ट्री आज सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रही। डिजाइन, स्टाइलिंग, ब्रांडिंग और टेक्सटाइल जैसे कई क्षेत्रों में मौके मौजूद हैं। निफ्ट (NIFT) सहित कई बड़े संस्थान फैशन डिजाइनिंग के कोर्स कराते हैं। इस फील्ड में क्रिएटिव लोगों के लिए करियर की अपार संभावनाएं हैं।

**बीजेएमसी (Journalism and Mass Communication)** मीडिया और कम्युनिकेशन का दायरा लगातार बढ़ रहा है। बीजेएमसी के जरिए आप पत्रकारिता, टीवी मीडिया, डिजिटल मीडिया, रेडियो और फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख सकते हैं। आज के दौर में कंटेंट राइटिंग, सोशल मीडिया मैनेजमेंट और डिजिटल जर्नलिज्म की भी काफी मांग है।

**टूर एंड ट्रेवल मैनेजमेंट** अगर आपको घूमना पसंद है और नई संस्कृतियों को समझना अच्छा लगता है, तो टूरिज्म सेक्टर आपके लिए सही है। बीए इन टूरिज्म स्टडीज, बीबीए इन टूर एंड ट्रेवल मैनेजमेंट जैसे कोर्स करके आप ट्रेवल कंपनी, एयरलाइंस या होटल सेक्टर से जुड़ सकते हैं।

**रॉयल पत्रिका**

**जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अखबार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक्रत बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें - 9772552446/9799559096**



## मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट की एक्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग आयोजित

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट कोटा की एक मीटिंग रविवार 30 नवंबर 2025 को बाद नमाज़ ज़ोहर ट्रस्ट के चेयरमैन हाजी खलील अहमद कुरेशी के आवास ज़ोहराना मेंशन पर हाजी सय्यद मुमताज़ अली की सदारत में मुनक्करीद की गई। इस मौके पर मौजूद ट्रस्ट के सरपरस्त डॉ॰ एन डी पठान, हाजी अख्तर कुरेशी, हाजी सय्यद मुमताज़ अली का ट्रस्ट के चेयरमैन हाजी खलील अहमद कुरेशी और जनरल सेक्रेटरी हाजी हयात खान ने गुलपोशी कर इस्तकबाल किया। मीटिंग की शुरुआत तिलावते कुरआन से हुई। ट्रस्ट के वाईस चेयरमैन हाजी सलीम अब्बासी ने मीटिंग में मौजूद सभी मेंबरान का इस्तकबाल करते हुए बताया कि जिन हज़रात ने जनरल बॉडी मीटिंग में बिल्लिंग खरीदने के लिए तआवुन का ऐलान किया था उन सब लोगों की तफसील बयान की गई। उन लोगों में से कितने लोगों



की रकम जमा हो चुकी है उसकी जानकारी दी गई। बाकी जिन लोगों का तआवुन अभी तक नहीं आया है उनसे जल्द अज़ जल्द पेमेंट जमा कराने की गुज़ारिश की गई। वक्त की कमी को देखते हुए आए हुए तमाम लोगों को कलेक्शन करने की जिम्मेदारी दी गई। उसके लिए मिल्लत की जानिब से छपाई गई 50, 50 पेज की रसीद बुक मीटिंग में मौजूद

लोगों को देकर कलेक्शन की जिम्मेदारी दी गई और जनवरी लास्ट तक इसको जमा करने की गुज़ारिश की गई। कोटा के बाहर से आए हुए जिम्मेदारों ने जिसमें झालावाड़ से शफीउल्लाह भाई, अलतमश कादरी, असलम भाई, और झालावाड़ पालन से हाज़ी मुमताज़ ने इस काम के लिए भरपूर तआवुन का भरोसा दिलाया। बारां से तशरीफ़ लाए

आबिद हुसैन अंसारी, सीसवाली से अब्दुल सलाम मास्टर ने भी ज़्यादा से ज़्यादा रकम इकट्ठा करने की बात कही। बूँदी से तशरीफ़ लाई रज़िया ख़ातून ने ट्रस्ट को बिल्लिंग के लिए 1 लाख रूपये देने का ऐलान किया साथ ही कलेक्शन के लिए एक डायरी हांसिल की। मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन हाजी खलील कुरेशी ने इस नैक काम के लिए

सभी ट्रस्टियों से जितना हो सके तआवुन की अपील की। ट्रस्ट के सेक्रेटरी हाजी हयात खान ने तमाम हज़रात से वक्त पर रकम जमा करने की गुज़ारिश की। ट्रस्ट के केशीयर इमाम मंसूरी ने 2024-2025 का आमद व खर्च का तफसील वार ख्योरा पेश किया। इस हिसाब को सलाह मशवरा करने के बाद इत्तेफाक राय से पास कर दिया गया। एम सी टी क्लिनिक मैनेजमेंट प्रभारी ज़ाकिर आसफ़ी ने क्लिनिक में दी जा रही सेवाओं के बारे में बताया। जनरल बॉडी की मीटिंग के लिए 4 जनवरी 2026 का वक्त तय किया गया। ट्रस्ट के वाईस चेयरमैन मुख्तार हुसैन अंसारी ने मशवरा दिया कि ट्रस्ट का राजस्थान ट्रस्ट एक्ट में, इंकम टैक्स के 12ए, 12बी, 80 जी में रजिस्ट्रेशन कराया जाना चाहिए जिससे कि ट्रस्ट को हांसिल होने वाले डोनेशन पर टैक्स नहीं देना पड़े। इस प्रस्ताव को आमराय से पास करते हुए ट्रस्ट के ख़ाज़िन इमाम हुसैन मंसूरी को इसकी

## नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के जन्मदिन कार्यक्रम पर शामिल हुए अमीन पठान



कोटा (रॉयल पत्रिका)। अलवर में आयोजित नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के जन्मदिन कार्यक्रम में रविवार 30 नवंबर 2025 को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (खेल प्रकोष्ठ) के प्रदेशाध्यक्ष अमीन पठान ने शामिल होकर उन्हें जन्मदिन की मुबारकबाद पेश की, और उनकी लंबी आयु बेहतर स्वास्थ्य के लिए दुआ की। इस

अवसर पर अंता विधायक प्रमोद जैन भाया, फतेहपुर विधायक हाकम अली, आरिफ भाई (प्रधान), समाजसेवी अयुब खान कामां, पूर्व अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष मेहमूदा खान, पूर्व यूप कांग्रेस उपाध्यक्ष पंडित राजकुमार शर्मा, सरपंच कयामुद्दीन, सरपंच राजेश कुमार, समाजसेवी ज़ावेद सिंह सोगरवाल आदि मौजूद रहे।

## पार्षद शरीफ रंगरेज के अथक प्रयासों से ओढ़पुरा में सड़क निर्माण कार्य शुरू



बारां (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद बारां के वार्ड नंबर 44 के पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज द्वारा लगातार प्रयास करके वार्ड की जर्जर हो चुकी ओढ़पुरा बस्ती स्थित इमली के पीछे वाली सड़क को नई बनवाकर कार्य पूर्ण करवाया है। पार्षद मोहम्मद शरीफ ने बताया कि स्थानीय निवासी कई सालों से इस सड़क के लिए मांग करते आ रहे थे लेकिन बार - बार बजट के अभाव में सड़क निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा था। जिसके चलते लोगों को निकलने में भी

काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लगातार प्रयास करके नगर परिषद द्वारा इस सड़क को पूर्ण करवाया है। सड़क कार्य शुरू होने के पश्चात वार्ड वासियों ने पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज का साफा और माला पहनकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पार्षद मोहम्मद शरीफ द्वारा वार्ड की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाता है साथ ही इनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास भी किए जाते हैं।

## नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रविवार को उमड़ा सैलानियों का सैलाब

- 2 हजार 316 सैलानियों ने किये शेर-बाघ के दीदार  
- 460 पर्यटकों ने लायन और टाइगर सफारी का लिया रोमांचक अनुभव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)

। राजधानी जयपुर का नाहरगढ़ जैविक उद्यान रविवार को पर्यटकों की भारी भीड़ से गुलजार रहा। सुहावने मौसम, अवकाश के उत्साह और प्राकृतिक सुंदरता के आकर्षण ने बड़ी संख्या में लोगों को उद्यान की ओर खींचा। एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि रविवार को कुल 2 हजार 316 पर्यटकों ने उद्यान



पहुंचकर यहां के समृद्ध वन्यजीव संसार और प्राकृतिक जैव विविधता का नजदीकी अवलोकन किया। इनमें से लायन सफारी और टाइगर सफारी दिनभर भीड़ का मुख्य केंद्र बनी रहीं। वहीं, कुल 460 सैलानियों ने इन दोनों सफारियों का प्रत्यक्ष अनुभव लेते हुए शेर और बाघ के शक्तिशाली, चंचल और रोमांचकारी व्यवहार को करीब से देखा। बाघों की गगनभेदी गर्जना, शेरों के शाही तेवर और उनकी विशिष्ट चाल-ढाल ने पर्यटकों को रोमांच से भर दिया, जिसमें कई आंगतुकों ने इस अनुभव को 'जीवन का यादगार पल' बताया। नाहरगढ़ जैविक उद्यान इन दिनों न केवल जयपुरवासियों बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पर्यटकों का पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है। इसका मुख्य कारण है वन विभाग द्वारा किया जा रहा सुरक्षित, सुव्यवस्थित और पर्यटक-हितैषी प्रबंधन। उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में पर्यटकों की सुरक्षा, सफाई, टिकटिंग, मार्गदर्शन, भीड़ नियंत्रण और सफारी संचालन पर विशेष ध्यान दिया गया। रविवार को एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ और रेन्जर शुभम शर्मा ने दोनों सफारियों की सघन मॉनिटरिंग

करते हुए संपूर्ण व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। रेन्जर अधिकारी शुभम शर्मा की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी रूटों की नियमित निगरानी, वाहनों की समयबद्ध उपलब्धता, टिकटिंग काउंटरों पर पारदर्शी व तेज सेवा, पर्यटकों को दिशा-निर्देश, पगडंडियों व पाथवे की स्वच्छता तथा भीड़ प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से लागू किया गया, जिससे पर्यटकों का अनुभव और अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और आनंददायक रहा। वन विभाग की सतत निगरानी और उत्कृष्ट प्रबंधन के चलते नाहरगढ़ जैविक उद्यान आज राजस्थान के प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थलों में अग्रणी स्थान रखता है। यह स्थल न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण, प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा, पर्यावरण शिक्षा और जैव विविधता संरक्षण का प्रमुख केंद्र भी बन चुका है। उद्यान का प्राकृतिक वातावरण, हरियाली और वन्यजीवों का सहज व्यवहार पर्यटकों को प्रकृति से जोड़ने का अनूठा अवसर प्रदान करता है, जो उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव बनकर उभरता है।

## बारां: देर रात तक वक्फ संपत्तियों का पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर रहे वक्फ चेयरमैन इरफान अंसारी - अल्पसंख्यक मामलात विभाग से मिले कंप्यूटर अनुदेशकों के साथ लगातार कर रहे कार्य

बारां (रॉयल पत्रिका)। केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार बारां जिले की तमाम वक्फ जायदादों को "उम्मीद सेंट्रल पोर्टल" Umeed central portal पर रजिस्ट्रेशन करने के लिए वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाकर कार्यालय वक्फ कमेटी बारां में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। वक्फ संपत्ति के कार्य अधिक होने और उम्मीद पोर्टल धीरे चलने की वजह से चेयरमैन इरफान अंसारी के आग्रह पर अल्पसंख्यक मामलात विभाग द्वारा कंप्यूटर अनुदेशक दिए गए हैं। जिला अल्पसंख्यक विभाग के सहयोग से कंप्यूटर अनुदेशक मंसूर अली, नाजिश अली, साबिर हुसैन अंसारी और आरिफ हुसैन द्वारा जिले की तमाम जायदादों को पोर्टल पर अपलोड करने का कार्य किया जा रहा है। चेयरमैन अंसारी के सहयोगी मोहम्मद अशरफ, शोएब अख्तर द्वारा कार्यशाला व



अपलोडिंग का तमाम कार्य कंधे से कंधा मिलाकर कर रहे हैं। जिले भर के लोग लगातार वक्फ कार्यालय पहुंच कर संपत्तियों की जानकारीयों जुटा कर उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करवा रहे हैं। चेयरमैन इरफान अंसारी, कंप्यूटर अनुदेशक मंसूर अली, साबिर हुसैन, नाजिश अली, आरिफ हुसैन सहित चेयरमैन अंसारी के करीबी सहयोगी दिन रात इस कार्य में जुटे हैं। शहर सहित जिले भर के लोग वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी की इस सजगता

ओर मेहनत के लिए उनकी प्रशंसा कर रहे हैं। प्रेस प्रवक्ता शोएब अख्तर ने बताया कि वक्फ तरमीमी कानून 2025 के तहत पूरे मुल्क में वक्फ जायदादों को केंद्र सरकार के एक यूनीफाइड पोर्टल पर अपलोड किया जाना है जिसकी डेडलाइन 5 दिसम्बर 2025 रखी गई है। राजस्थान वक्फ बोर्ड के आदेशानुसार बारां जिले में भी 5 दिसम्बर से पहले तमाम जायदादों को ऑनलाइन किया जा रहा है।

## प्रमोद कुमार ने नए थानाधिकारी के रूप में पदभार संभाला

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। भवानीमंडी थानाधिकारी रमेश मीणा का स्थानांतरण कर दिया गया है। उनके स्थान पर प्रमोद कुमार ने नए थानाधिकारी के रूप में पदभार संभाला है। जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बुडानिया द्वारा जारी थानाधिकारियों की सूची में रमेश मीणा को रायपुर थाने भेजा गया है। रमेश मीणा करीब दो वर्षों से भवानीमंडी थाने में तैनात थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने बाइक चोरी, फरार वारंटियों की गिरफ्तारी, मादक पदार्थ तस्करी पर कार्रवाई और जुए-सट्टे के खिलाफ अभियान सहित कई महत्वपूर्ण मामलों का खुलासा किया। उन्होंने भैस चोरी के एक अनोखे मामले को भी सुलझाकर आरोपियों से भैस बरामद की थीं। उनके कार्यकुशलता से शहरवासी भी संतुष्ट थे। जिला मुख्यालय से स्थानांतरण सूची जारी होने के बाद, विभिन्न सामाजिक संगठनों ने रमेश मीणा का माला, श्रीफल और शॉल भेंट कर सम्मान किया।



इसी दौरान, नए थानाधिकारी प्रमोद कुमार का भी गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रमोद कुमार जयपुर ग्रामीण से भवानीमंडी आए हैं। पदभार संभालने के बाद उन्होंने बताया कि भवानीमंडी का भौगोलिक क्षेत्र काफी बड़ा है और यह मध्य प्रदेश से सटा हुआ है। इस क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी अधिक होती है, जिस पर अंकुश लगाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने आगे कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र और मालवा के करीब होने के कारण वाहन चोरियों की घटनाएं भी अधिक होती हैं, जिन पर लगातार

लगाई जाएगी। थानाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी कोशिश रहेगी कि थाने के मामलों को थाने स्तर पर ही निपटाया जाए और उच्च अधिकारियों तक कम से कम मामले पहुंचें। शहरवासियों और आमजन के कार्यों को प्रमुखता दी जाएगी, जिससे अपराधियों में भय और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास कायम हो सके। इस अवसर पर शहरवासियों ने निवर्तमान और नए दोनों अधिकारियों का स्वागत किया।

## पार्षद मोहम्मद असलम के सहयोग से डाकघर द्वारा सुकन्या योजना

- आधार अपडेट सहित विभिन्न कार्यों के शिविर आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद बारां के वार्ड नंबर 50 के पार्षद मोहम्मद असलम (कालू) के सहयोग से बच्चों के नए आधार, आधार कार्ड अपडेट, सुकन्या योजना सहित अन्य योजनाओं के खाते खुलवाने के उद्देश्य से दरगाह बाबा फूल पीर साहब स्थित जमात खाने में एक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर करनाहेडा बीओ मोहम्मद शफीक अंसारी द्वारा बारां जिला मुख्यालय डाक विभाग के सहायक अधीक्षक सतीश मीणा के आदेशानुसार आयोजित किया गया। इस शिविर में छोटे बच्चों के आधार कार्ड बनाए गए, तथा पुराने आधार कार्ड अपडेट किए गए। बच्चियों के सुकन्या योजना के खाते खोले गए। और तमाम जानकारीयों प्रदान की गई। शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे जिनको योजना की जानकारी दी गई तथा मौके पर ही उनके कार्य किए गए। शिविर में



सुकन्या योजना के 35 खाते खोले गए, पीपीएफ के 07 खाते खोले और और नए आधार के लिए 44 इनरोलमेंट जारी किए गए। इस दौरान पार्षद मोहम्मद असलम द्वारा सभी कर्मचारियों का माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया गया। अपनी बेहदरीन सेवाएं और सहयोग के

लिए बारां जिला मुख्यालय डाक विभाग के सहायक अधीक्षक सतीश मीणा द्वारा पार्षद मोहम्मद असलम कालू को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। शिविर में राकेश मीणा, शंभुदयाल, भानु बना नारेड़ा, गोविंद, सुरेन्द्र नाटला, कौशल मोरवाल आदि ने सेवाएं दीं।

## विधायक प्रमोद जैन भाया ने किसानों की सिंचाई हेतु पानी तथा बिजली आपूर्ति को लेकर लिखे पत्र - भाया ने की पर्याप्त मात्रा में नहरों में जल प्रवाह एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग

बारां (रॉयल पत्रिका)। किसानों को पर्याप्त मात्रा में सिंचाई हेतु चम्बल की दांयी नहर में जल प्रवाह बढ़ाए जाने एवं दिन के समय 6 घण्टे निर्बाध रूप से श्री फेज बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया द्वारा



मंत्री हीरालाल नागर, आयुक्त सीएडी कोटा, जिला कलक्टर बारां, अधीक्षण अभियन्ता सीएडी कोटा एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड बारां को पत्र लिखे गये। भाया ने अपने पत्र में अवगत करवाया कि इस साल भारी बरसात के कारण बारां जिले का किसान पहले ही बर्बाद हो चुका है तथा अभी वर्तमान में किसानों को अपनी रबी फसल गूँह, सरसों,

धनिया, लहसुन की सिंचाई हेतु चम्बल की दांयी नहर से पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पा रहा है, जिसके कारण किसानों में काफी आक्रोश व्याप्त है। वहीं सिंचाई के लिए श्री फेज बिजली की दिन के समय निर्बाध रूप से आपूर्ति की जरूरत है लेकिन किसानों को अलग-अलग चरणों में रात्रि के समय बिजली की आपूर्ति की जा रही है। ठण्ड के समय रात के समय किसानों द्वारा खेत पर कार्य करने के दौरान कई किसानों की पूर्व में मौते भी हो चुकी है। भाया ने किसानों को चम्बल की दांयी मुख्य नहर से पर्याप्त जल प्रवाह करवाए जाने तथा दिन के समय निर्बाध रूप से श्रीफेज 6 घण्टे बिजली आपूर्ति करवाए जाने की सरकार, प्रशासन से मांग की है।

## जिला प्रमुख की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति की बैठक सम्पन्न

- 504 अध्यापकों के स्थायीकरण का किया अनुमोदन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया की अध्यक्षता में सोमवार 01 दिसंबर को जिला स्थापना समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद बारां, उपखण्ड अधिकारी बारां एवं जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक बारां उपस्थित रहे। बैठक में माननीय न्यायालय की अनुपालना में फौजदारी प्रकरण पर 2 ग्राम विकास अधिकारियों को रूके हुए वेलन भत्ते दिए जाने का निर्णय कर राहत प्रदान की गयी। जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा



बारां से प्राप्त 504 अध्यापकों के स्थायीकरण का बैठक में

अनुमोदन किया जाकर उनको राहत प्रदान की गई।

## गीतांजली हॉस्पिटल की बड़ी उपलब्धि "5 साल का अंधेरा, एक ऑपरेशन से मिली नई रोशनी

- 5 साल से चल रहे 'शांत दौर' का सफल ऑपरेशन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने न्यूरोलॉजी क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। सिरोंही के 27 वर्षीय पीड़ित पिछले पांच वर्षों से 'शांत दौर' (Silent Seizures) की समस्या से जूझ रहे थे। बेहतर इलाज के लिए परिजन गीतांजली हॉस्पिटल पहुंचे जहां वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट एवं एपिलेप्टोलॉजिस्ट डॉ. अनीस जुक्कारवाला ने 3 Tesla MRI, वीडियो EEG और PET-CT जैसी उन्नत जांच कराई। जांच में पता चला कि दौरे का स्रोत दिमाग के लेप्ट मीडियल टेम्पोरल रीजन में है। न्यूरोसाइकोलॉजिकल



मूल्यांकन के बाद सर्जरी संभव मानी गई। गीतांजली की अनुभवी न्यूरोसर्जरी टीम ने सफलतापूर्वक एपिलेप्टी सर्जरी कर मरीज को

पांच साल पुराने कष्ट से राहत दिलाई। MRI में स्पष्ट असाभाम्यता न होने के बावजूद उन्नत तकनीकों से सटीक स्थान पहचान कर उपचार करना अस्पताल की विशेषज्ञता का प्रमाण है। आपको बता दें कि हर महीने 2-3 बार आने वाले इन खामोश दौरों के दौरान पीड़ित कुछ मिनटों के लिए अचेत-से हो जाते थे, हाथ-पैर अनजाने में हिलते थे और कई बार गर्म वस्तुएं छू लेने व चलते समय बाधा न दिखने जैसी घटनाओं से खुद को चोट भी पहुंचा लेते थे। फिलहाल पीड़ित पूरी तरह स्वस्थ है।

## वक्फ संपत्ति एवं एसआईआर को लेकर जागरूकता अभियान के तहत कैंप लगाया गया

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित जामिया अरबिया दारुल उलूम जयपुर रोड पर एक कैंप रखा गया जिसमें वक्फ बोर्ड संरक्षण एवं एसआईआर से संबंधित जानकारी दी गई। जैसा कि राजस्थान सरकार के आदेशानुसार उम्मीद पोर्टल पर जाकर वक्फ संपत्तियों के बारे में जागरूक किया गया। और एसआईआर के लिए सरकार द्वारा लगाए गए बिपलओ को सहयोग करें। जैसा की 2 दिन पहले इंटेलेक्चुअल मुस्लिम वेल्फेयर सोसाइटी द्वारा मीटिंग में कहा गया था की वक्फ संरक्षण अधिनियम के तहत वक्फ संपत्तियों को रजिस्ट्रेशन कराया जाए और 2003 के बाद हो रही नई एसआईआर को दुरुस्त करावे एवं बिपलओ को सहयोग करें। इसी के तहत आज यह कैंप दारुल उलूम द्वारा लगाकर सभी को जागरूक किया गया। कैंप के संयोजक हाजी याकूब थीम ने बताया की चुरू तहसील की सभी मस्जिद मद्रसों के जिम्मेदारों को सूचित किया गया था। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भाग लिया और अभियान को सफल बनाया। कार्यक्रम में शहर इमाम पीर सैयद



मोहम्मद अनवर नदीमुल कादरी का मदरसे द्वारा साफा बांधकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में हाजी याकूब थीम, मुफ्ती इरशाद कासमी, रिटायर्ड एंडिशनल एसपी अपूब खान, डॉक्टर मुस्तकीम शेख, रिटायर्ड प्रिंसिपल राशिद खान मोयल, हाजी हनीफ खान, हाजी यूनुस खान, पूर्व पार्षद इस्माइल बाबू, आवेश कुरैशी, महबूब खान, फारूक मास्टर आदि ने अभियान में सहयोग किया एवं वक्ताओं ने वक्फ संपत्तियों का डिजिटलीकरण और ऑनलाइन पंजीकरण कराने के फायदे बताए। यह पोर्टल जिसका पूरा नाम एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास (Unified Waqf Management, Empowerment, Efficiency and Development) है, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की

एक पहल है। इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य वक्फ संपत्तियों की पारदर्शिता, बेहतर प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जागरूकता अभियान: लोगों को वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर पंजीकृत कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है, खासकर उन जगहों पर जहां अभी तक पंजीकरण नहीं हुआ है। पंजीकरण के लाभ: पंजीकरण से वक्फ संपत्तियों की पहचान, स्थिति, उपयोग और आय-व्यय का ऑनलाइन ट्रैक रखा जा सकेगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि कई राज्यों में 5 दिसंबर 2025 है। जागरूकता कार्यक्रम के बाद शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवर नदीमुल उल कादरी ने दुआ की और हाजी याकूब थीम ने सभी का आभार व्यक्त किया।

## सांचौर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी ने कोटेशन के नाम पर लाखों की बेंच खरीद कर ली -पालिका अध्यक्ष ने जताई अनभिज्ञता

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका में बेंच खरीद मामले को लेकर लोगों ने अनियमितता बरतने का आरोप लगाया है नगर पालिका अधिशासी अधिकारी ने कोटेशन की प्रक्रिया की आड़ में मनमर्जी से खरीद कर ली जबकि ना तो संबंधित शाखा से अनुमति ली गई और ना ही नगर पालिका बोर्ड से प्रस्ताव पारित हुआ। जानकारी के अनुसार बेंच की खरीद सीधे कोटेशन के माध्यम से कर ली गई, क्योंकि विभागीय नियमों के तहत इस तरह के उच्च मूल वाले सामान की खरीद के लिए बोर्ड की स्वीकृति अनिवार्य होती है इसके बावजूद प्रशासन ने ना तो निविदा प्रक्रिया अपनाई और ना ही पारदर्शी खरीद नीति का पालन किया नगरपालिका अध्यक्ष नरेश सेठ ने इस पूरे मामले से सभी को अनभिज्ञ बताया अध्यक्ष ने बताया कि उनके बिना जानकारी के बेंच खरीदी गई है ना तो कोई प्रस्ताव उसके सामने रखा गया और ना ही बोर्ड के संज्ञान में लाया गया है उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी ने कोटेशन का हवाला देकर बिना बोर्ड अनुमोदन के खरीद कर नियमों की खुली अवहेलना की है। नगर पालिका की संबंधित शाखा ने भी मामले में अनभिज्ञता जताई है। शाखा अधिकारियों का कहना है की बेंच खरीद की किसी फाइल प्रस्ताव या प्रक्रिया उसकी जानकारी में नहीं लाई गई है। बेंच खरीद का मामला सामने आने के बाद नगर क्षेत्र में रोष



की स्थिति है जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक धन का प्रयोग मनमर्जी से नहीं किया जा सकता। यह नगर निधि जनता की संपत्ति है जिसका उपयोग नियमों और पारदर्शिता के साथ होना चाहिए अभी तक नगर पालिका प्रशासन की ओर से इस अनियमित खरीद पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया है। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि मामले की उच्च स्तर जांच की जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो। सूत्रों की माने तो नगर पालिका में पिछले कुछ माह से विकास कार्य के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार एक धांधली हो रही है तो दूसरी ओर वार्ड में विकास कार्य कुछ नहीं सफाई से लेकर सड़क नालियां, बाबुल की झाड़ियां का जाल, सड़कों पर फैला गंदा पानी, लाइट का अभाव फेस वायर ना होने के चलते आम जनता को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है तो दूसरी ओर अंदर ही अंदर कोटेशन और टेंडर देने

का खेल अपने चाहितो को बड़ा सवाल कब टेंडर जारी होते हैं कब सामग्री आती है और किसी को कानों कान तक नहीं लाखों के बिल पास होते हैं जिम्मेदार मोन आखिरी जनता विकास कार्य को लेकर अपना दुख किसे सुनाए वही अधिशासी अधिकारी लाइट पानी की एनओसी अनुमति के लिए रजिस्ट्री होने के बावजूद भी कई तरह के नियम कायदों का हवाला देकर चक्कर पर चक्कर कटवाते हैं नामकरण के नाम पर ऐसा पहली बार नगर पालिका में देखने को मिल रहा है जो जनता को लाइट पानी के लिए भी इतने कड़क नियम कायदे पार करने पड़ते हैं तो क्या ऐसे ही नियम कायदे कोटेशन और टेंडर में नहीं होते हैं आखिरी लाखों के फर्जी बिल तो निकल जाते हैं तो पानी और लाइट के लिए जनता को क्यों चक्कर काटना पड़ रहा है जनता परेशान कैसे सुनाएं अपना दुख जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो।

## रिजर्व पुलिस लाइन में डोडा पोस्ट, गांजा, हेरोइन, स्मैक को काफी मात्रा में जलाकर जमीन में दबाकर नष्ट किया गया

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जय यादव आईपीएस पुलिस अधीक्षक चुरू अध्यक्ष औषधि व्ययन समिति एवं सदस्य सुनिल कुमार आर.पी. एस. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चुरू (मुख्यालय), अपराध सहायक सदस्य, औषधि व्ययन समिति द्वारा स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) 1985 की धारा 52 (क) के अन्तर्गत वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली की अधिसूचना दिनांक 16 जनवरी 2015 (भारत का राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 16.01.15) के पैरा संख्या 05 के अन्तर्गत प्रदत्त भावितियों का प्रयोग



करते हुए रिजर्व पुलिस लाईन परिसर चुरू जिला चुरू में पुलिस थाना दूधवाखारा 05, राजगढ 08, सिद्धमुख 03, सदर चुरू 02, तारागढ़ 02, सुजानगढ 04, सालासर 01, कोतवाली चुरू 02, भानीपुरा 02, रतनगढ 09, भालेरी 01 एवं सरदारशहर के 03 प्रकरण

सहित कुल 42 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में करीब 55 किलो 63 किलोग्राम डोडा पोस्ट, 07 किलोग्राम गांजा, 0.036 ग्राम हेरोईन एवं 0.037 ग्राम स्मैक का कमेटी द्वारा जलाकर एवं जमीन में दबाकर निस्तारण/नष्टीकरण किया गया।

## प्राधिकरण सचिव भारती ने किया बाल-वाहिनियों का निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भारती, तथा शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि की उपस्थिति में पुलिस तथा परिवहन विभाग द्वारा बाल-वाहिनियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई बाल वाहिनियों में फिटनेस सर्टिफिकेट की समय सीमा समाप्त होना पाया गया, पीछे की ओर सुरक्षा ग्रिल का अभाव पाया गया, प्राथमिक चिकित्सा पीटी, अग्निशमक यंत्र नहीं पाया गया, जीपीएस सिस्टम सुविधाशील अवस्था में होना, विशेष बच्चों हेतु अतिरिक्त के लिए रैप/सुलभ प्रवेश का अभाव पाया गया, दस्तावेजों की अनुपलब्धता, बाल-वाहिनियों के वाहन

पर चालक तथा सहायक का पहचान विवरण अंकित नहीं होना जैसी आदि कमियां पाई गईं। जिनके विरुद्ध परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा मोटरवाहन अधिनियम अनुसार विधिक कार्यवाही की गई। साथ ही सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिक्षा विभाग तथा परिवहन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए एवं आगामी निरीक्षण तक विभिन्न कमियों को दूर करने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण परिवहन अधिकारी विजय कुमार मीणा, उपाधीक्षक पुलिस मदन सिंह, एसीबीओ देवेन्द्र डाबी, आरटीओ निरीक्षक दलपत खिंची, यातायात पुलिस निरीक्षक तेजाराज, हुकमसिंह, प्रदीप अमरावत आदि मौजूद रहे।

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के पुत्र के विवाह में की शिरकत

### -वर वधु को दिया आशीर्वाद

मोहम्मद यासीन पाली (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को पाली पहुंचे जहां उनका अनेक जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने स्वागत व अगवानी की। मुख्यमंत्री उसके बाद राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के पुत्र श्रेयांशु राठौड़ के विवाह समारोह में सम्मिलित होकर वर-वधु को शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सफ़्ट हाउस से रवाना होकर आयोजित विवाह समारोह में पहुंचकर नवविवाहित वर-वधु को आशीर्वाद व भेंट देकर उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समारोह में सिक्रिम राज्यपाल ओम प्रकाश माधुर, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवानी, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, उप मुख्यमंत्री दिव्या कुमारी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत,



प्रभारी मंत्री झाबर सिंह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री अविनाश गहलोत, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, वन मंत्री संजय शर्मा, राज्य मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजय रहाटकर एवं अनेक जनप्रतिनिधिगण तथा प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग शामिल हुए। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने हैलीकॉप्टर से मनोरथ हैलीपैड पहुंचे जहां उनका स्वागत राज्यसभा सांसद

मदन राठौड़, जिला कलक्टर एलएनमंत्री, पुलिस अधीक्षक आदर्श सिंधु ने किया। हैलीपैड से रवाना होकर मुख्यमंत्री शर्मा सफ़्ट हाउस पहुंचे जहां उनकी अगवानी कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, अविनाश गहलोत, जिला प्रभारी मंत्री झाबरसिंह खरी, जनप्रतिनिधि सुनील भण्डारी, पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, पीपूष शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

## चुरू कांग्रेस कार्यालय में दिल्ली में होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ महा रैली को लेकर बैठक हुई

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर ब्लॉक कांग्रेस व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस पर कांग्रेस जनों की बैठक आल इंडिया कांग्रेस की ओर से 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली की तैयारियों और एस आई आर अभियान की समीक्षा के लिए हुई। बैठक में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान और प्रदेश कांग्रेस के निर्देशों अनुसार होने वाली महारैली में चुरू विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेसजन शहर ब्लॉक व देहात ब्लॉक कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि जायेंगे। मंडेलिया ने कहा एस आई आर प्रक्रिया में पार्टी के बी एल ए सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभाए और किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम नहीं कटे, चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार मतदाताओं



जो फॉर्म अनकमलेंट बताए गए हैं उनको दुरुस्त करवाए। हम सबको मतदाताओं के वोट के अधिकार की रक्षा करनी होगी। इस अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर देहात अध्यक्ष किशोर धंधू पूर्व सभापति गोविंद महानसरीया, मोहम्मद हुसैन निर्वाण, धर्मेंद्र बुडानिया, पूर्व अध्यक्ष अबजार खान, नारायण बालान, विमल

शर्मा, संजय भारती, अज़ीज़ खान, सूर्य प्रकाश वर्मा, सुखाराम घिट्टा, सोहनलाल मेघवाल, डॉ. प्यारेलाल दानादिया, विश्वनाथ सेनी, जयचन्द मेघवाल, तारीख नागौरी, इस्माइल भारती, आबिद जाबासरीया, आरिफ रिवालदार, नोमान सैय्यद, आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चोहान ने किया।

## सांचौर रीको क्षेत्र की दुर्दशा बढहाल सड़कों और गंदगी ने बढाई परेशानी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। रिको उद्योगिक क्षेत्र की बढहाल सड़कों और चारों ओर फैली गंदगी उद्यमियों और आम नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बन गई है क्षेत्र में स्थित सड़कों की हालत इस हद तक जर्जर है की जगह-जगह बने गढ़ों में गंदा पानी भरा रहता है जिसके बीच से पैदल गुजरना भी मुश्किल हो गया है बारिश की बात तो हालात और बिगड़ जाते हैं जिससे न केवल यातायात बाधित होता है बल्कि दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है स्थानीय लोगों का कहना है की रिपोर्ट क्षेत्र में सफल व्यवस्था पूरी तरह ठप है जगह-जगह फैला कचरा खुले में पड़ा रहता है और उसे डंपिंग करने की बजाय यही जलाया जाता है इस दौरान उठने वाला धुआं और दुर्गंध आसपास के निवासियों



व कामगारों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रहे हैं औद्योगिक क्षेत्र के बावजूद बुनियादी व्यवस्थाओं की कमी से यहां आने वाले निवेशक भी निराशा है उद्यमियों ने कहा कि रीको का उद्देश्य उद्योगों को सुविधा देना और विकास को बढ़ावा देना था लेकिन मौजूदा हालात विकास की बाजपा अपेक्षा और व्यवस्थाओं का प्रतीक बनते जा रहे हैं लोगों ने बताया कि प्रशासन और रीको प्रबंधन की

उदासीनता से क्षेत्र का स्वरूप कचरे के केंद्र में तब्दील होता जा रहा है व्यावसायियों ने मांग की है कि सड़कों के तत्काल मरम्मत, जल निकासी, व्यवस्था और कचरा प्रबंधन प्रणाली को दुरुस्त किया जाए ताकि क्षेत्र में उद्योगों का अनुकूल माहौल बनाया जा सके और आने वाले समय में स्वस्थ को लेकर होने वाली बीमारियों में छूटकारा मिले।

## अकीदतमंदों ने फूल पेश कर हर्षोल्लाह से मनाया हजरत इश्क अली शाह का उर्स

### -महफिल-ए-समा में कव्वालियों ने सूफियाना कलाम पेश किया कूल की रस में अकीदतमंदों का इज्ज

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर बकरा मंडी स्थित दरगाह हजरत इश्क अली शाह रहमतुल्लाह अलैह का उर्स मुबारक कूल की अदायगी के साथ हुआ सम्पन्न। मृतवली राजू खान ने जानकारी देते हुए बताया कि हजरत इश्क अली शाह रहमतुल्लाह अलैह का तीन दिवसीय उर्स के दौरान कव्वाल मोइनुद्दीन मनचला, सलाम मनचला, विकी मनचला, इकबाल मनचला, दिलशाद मनचला, इरफान तूफेल और शौकत अन्दाज द्वारा सूफियाना कलाम पेश किए और कूल की रस अदायगी के साथ उर्स हुआ सम्पन्न। सचिव मोहम्मद सदीक ने उर्स में आए हुए जायरीनों का शुक्रिया अदा किया और कमेटी द्वारा समाजसेवी, कव्वालों



और कार्यकर्ताओं की दस्तारबंदी की। कूल की रस के मौके पर मृतवली राजू खान, मोहम्मद सदीक सेक्रेटरी, मोहम्मद फारूक कोषाध्यक्ष, समाजसेवी साजिद खान जोधाणा, अकबर

खान, सरपरस्त मोहम्मद साबिर, मोहम्मद हारून, मोहम्मद जावेद, आबिद हुसैन, सम्मीर खान, अमजद खान, अनवर हुसैन, समीर सहित कई अकीदतमंद उपस्थित रहे।

## ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह की जियारत की और दुआएं मांगी

मोहम्मद अली पठान चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से जिला फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष शकील दुर्गानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह, अजमेर शरीफ, जियारत के लिए पहुंचे वहां पर जियारत की और अफने साथियों को बताया की भारत में सबसे पवित्र इस्लामी तीर्थस्थलों में से एक है। यह सूफी संत ख्वाजा



मोइनुद्दीन चिश्ती (गरीब नवाज के नाम से भी जाने जाते हैं) जो 13 वीं शताब्दी में भारत में सूफीवाद के महान प्रचारक थे। दरगाह सभी धर्मों के लोगों के लिए खुली है और यह एकता और शांति का प्रतीक है। जियारत (तीर्थयात्रा) के दौरान, उनकी मजार पर फूल, चादर और इत्र चढ़ाकर सम्मान प्रकट करते हैं। यहां का माहौल बेहद शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक होता है। मुख्य आकर्षणों में निजाम गेट, बुलंद दरवाजा, और सुंदर संगमरमर का

मकबरा शामिल हैं। वार्षिक उर्स उत्सव, उर्स आपकी की पुण्यतिथि पर आयोजित होता है, लाखों आंगतुकों को आकर्षित करता है। जियारत करने वालों का मानना है कि यहां मांगी गई दुआएं पूरी होती हैं, जिससे यह स्थान दुनिया भर के मुसलमानों के लिए आस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन जाता है। और दुआएं कबूल होती हैं। आपके साथ इलियास अजमेरी, शकील दुर्गानी, यूनुस खान झारिया, इदरीश छिपा, रियाज अंसारी, मोहम्मद अली, आदि ने जियारत की और दुआ मांगी।

## गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर में दो दिवसीय पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग कोर्स का सफल आयोजन



उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर का ऑर्थोपेडिक्स विभाग एवं बॉम्बे ऑर्थोपेडिक सोसाइटी (BOS) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग कोर्स का सफल आयोजन गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर में किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान के 72 पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों सहित देशभर से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गीतांजली ग्रुप के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने बताया कि पोस्टग्रेजुएट टीचिंग में इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर करते रहेंगे ताकि भावी पीढ़ी के चिकित्सक पूर्ण रूप से पारंगत हो आधुनिक तकनीकों का प्रयोग सीखकर

भविष्य में ज़रूरत पड़ने पर रोगियों को उन्नत उपचार दे सके। गीतांजली हॉस्पिटल के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. हरप्रत सिंह व डॉ. रामावतार सेनी ने बताया कि ऑर्थोपेडिक्स से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं उपयोगी अकादमिक सत्र प्रस्तुत किए, जिनसे प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीकों और नवीन चिकित्सीय विधियों की गहन जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी छात्रों के साथ विचार-विमर्श, केस डिस्कशन एवं इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया गया, जिससे उनकी क्लिनिकल समझ एवं व्यावहारिक ज्ञान में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।

## रक्त की कमी पर 'मुस्लिम रॉयल्स ग्रुप' का इमरजेंसी मिशन

### -सर्वसमाज ने मिलकर 101 यूनिट रक्तदान कर पेश की मिसाल



भीलवाड़ा/बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। जिले के सबसे बड़े महात्मा गांधी चिकित्सालय में चल रही रक्त की भारी किल्लत को देखते हुए 'मुस्लिम रॉयल्स ग्रुप' ने मानवता की अजूबी मिसाल पेश की है। ग्रुप ने ब्लड बैंक के आग्रह पर तत्काल प्रभाव से एक आपातकालीन रक्तदान शिविर आयोजित किया, जिसमें 101 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। 24 घंटे में किया आयोजन- ग्रुप के चेयरमैन शाहबुद्दीन शेख और वाइस चेयरमैन मोहम्मद अली मंसूरी ने बताया कि महात्मा गांधी हॉस्पिटल के ब्लड बैंक द्वारा सूचित किया गया था कि अस्पताल में मरीजों के लिए रक्त की भारी कमी हो गई है। सूचना मिलते ही ग्रुप ने तुरंत निर्णय लिया और महज एक दिन के भीतर ही ब्लड बैंक परिसर में यह इमरजेंसी कैंप आयोजित कर दिया। सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश- इस शिविर की सबसे खास बात

यह रही कि इसमें सभी धर्म और समाज के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान कर ईंसानियत का संदेश दिया। ग्रुप के संरक्षक हमीद रंजरेज और नफीस मुलतानी ने बताया कि युवाओं में रक्तदान को लेकर जबरदस्त जोश और जज्बा देखने को मिला। ये रहे मौजूद- शिविर को सफल बनाने में हाजी मोहम्मद उमर डायर, हाजी अकरम छिपा, अली शेख, रिजवान बागवान, अजहरुद्दीन शेख, हाजी मुजीबुर्हमान डायर, सैय्यद कंवर अली, हाजी असलम सिलावट, हाजी रजा छिपा, हाजी निजाम शेख, मोहम्मद आसिफ मेवाफरोश, कयूम मोहम्मद सक्का, मोहम्मद यासीन घोसी, जावेद काजी, रफीक पठान, मोहसिन मंसूरी, शाहिद देशवाली, वसीम अंसारी और उमर नागौरी सहित कई सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

## आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनू के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

# अब बंगाल में भी लागू होगा नया वक्फ कानून

**-ममता सरकार का बड़ा यू-टर्न; महीनों की ना के बाद हां**

कलकत्ता। केंद्र के नए वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को महीनों तक टालने के बाद, पश्चिम बंगाल सरकार ने आखिरकार इस कानून को स्वीकार कर लिया है। राज्य सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य की करीब 82000 वक्फ संपत्तियों का विवरण निर्धारित समयसीमा 6 दिसंबर 2025 तक केंद्रीय पोर्टल (umeedminority.gov.in) पर अपलोड कर दिया जाए। यह जानकारी राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने गुरुवार देर शाम दी। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने राज्यों से छह दिसंबर तक सभी अविवादित वक्फ संपत्तियों की जानकारी अपलोड करने को कहा है, जिसके कारण राज्य प्रशासन ने तुरंत डेटा एंट्री प्रक्रिया शुरू करने के लिए कदम उठाए हैं।

**राज्य सरकार का यू-टर्न क्यों महत्वपूर्ण है-**  
यह फैसला राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सार्वजनिक तौर पर घोषणा की थी कि वह इस नए कानून को पश्चिम



बंगाल में लागू नहीं होने देंगी। अप्रैल में जब यह विधेयक संसद में पारित हुआ था, तब राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन भी हुए थे। 9 अप्रैल को जैन समुदाय के एक कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा था- मैं वक्फ संशोधन अधिनियम को बंगाल में लागू नहीं होने दूंगी। हम 33 प्रतिशत मुसलमानों का राज्य हैं, जो सदियों से यहां रह रहे हैं। उनका संरक्षण करना मेरा कर्तव्य है। लेकिन उसके बाद कानूनी लड़ाई में भी राज्य सरकार को राहत नहीं मिली। अदालत में याचिका दाखिल करने के बावजूद

और मुतवल्लियों, इमामों और मदरसा शिक्षकों के साथ बैठकें / कार्यशालाएं करना भी शामिल है। अधिकारी ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट को भेजे गए पत्र में चार प्राथमिक निर्देश दिए गए हैं। उनसे इमामों, मुअज्जिनों (मस्जिद में प्रति दिन पांच वक्त की नमाज कराने के लिए अजान लगाने वाला) और मदरसा शिक्षकों के साथ बैठकें बुलाने और उन्हें अपलोड करने प्रक्रिया समझाने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारियों को कहा गया है कि पोर्टल में केवल निर्विरोध संपत्तियों को ही दर्ज किया जाए। अधिकारी ने कहा कि सभी जिलों को कहा गया है कि जहां भी तकनीकी सहायता की आवश्यकता हो वहां सुविधा केंद्र स्थापित करें। उन्होंने कहा कि जिलों को यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी वक्फ संपत्ति किसी देरी के हो। केंद्र सरकार ने इस वर्ष की शुरुआत में वक्फ अधिनियम 1995 के कई प्रावधानों में संशोधन किया। हालांकि इनमें से कुछ संशोधन अब भी उच्चतम न्यायालय में विचारधीन हैं, लेकिन

राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ध्यान दिलाया कि केंद्र के प्रस्तावित परिवर्तनों के कार्यान्वयन पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा कि इसका अर्थ है कि राज्य को दी गयी समय-सीमा के भीतर निर्देश का पालन करना होगा। उन्होंने बताया कि संशोधित नियमों के तहत पश्चिम बंगाल में 8,063 वक्फ संपत्तियों के मुतवल्लियों (वक्फ की देखभाल करने वालों) को छह दिसंबर तक यूएमआईडी पोर्टल पर अपनी पूरी संपत्ति का विवरण दर्ज करना होगा।

**कानून में प्रमुख बदलाव क्या हैं-**  
वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 में कुछ बड़े प्रावधान किए गए हैं, जिनमें वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति और किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने को लेकर अंतिम निर्णय सरकार द्वारा लिए जाने का प्रावधान है। इन्हीं प्रावधानों को लेकर पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में विरोध देखने को मिला था।

# डीएसपी की वर्दी में दिखा निकहत का 'दबंग' स्वेग -नए लुक से सोशल मीडिया पर उड़ाया गर्द



हैदराबाद। भारत की स्टार महिला बॉक्सर निकहत जरीन ने डीएसपी की वर्दी में अपने 'दबंग' स्वेग से तहलका मचा दिया है। निकहत जरीन ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिसमें वह अपने नए लुक से सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा बटोर रही हैं। बता दें कि निकहत जरीन दो बार की वर्ल्ड चैंपियन हैं, जिन्होंने साल 2022 और 2023 में गोल्ड मेडल जीते हैं। निकहत जरीन ने साल 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड और 2022 एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता है। डीएसपी की कुर्सी तक पहुंचने के लिए निकहत जरीन को काफी संघर्ष करना पड़ा है। निकहत जरीन का जन्म 14 जून 1996 को आंध्र प्रदेश के निजामाबाद में हुआ था। निकहत जरीन के पिता का नाम मोहम्मद जमील अहमद और मां का नाम परवीन सुलताना है। निकहत जरीन ने निजामाबाद के निर्मला हृदय गर्ल्स हाई स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की थी। निकहत जरीन ने इसके बाद हैदराबाद के एवी कॉलेज से ब्यूटीशियन में स्नातक की पढ़ाई की।

13 साल की उम्र में बॉक्सिंग सीखना शुरू कर दिया- निकहत जरीन ने 13 साल की उम्र

में बॉक्सिंग सीखना शुरू कर दिया था और इसमें उन्हें अपने पिता का भी सपोर्ट मिला। निकहत जरीन ने अपनी पढ़ाई के साथ बॉक्सिंग को भी जारी रखा, लेकिन उन्होंने चुनौतियों से हार नहीं मानी। निकहत जरीन के पिता मोहम्मद जमील अहमद उन्हें हमेशा समर्थन देते रहे। साल 2021 में निकहत जरीन को हैदराबाद के एसी गार्ड्स एरिया में स्थित बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में स्टाफ ऑफिसर नियुक्त किया गया था। निकहत जरीन को सितंबर 2024 में तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के रूप में नियुक्त किया गया।

निकहत जरीन के परिवार में कौन-कौन?- निकहत जरीन के परिवार में उनसे

बड़ी दो बहनें और एक छोटी बहन है। निकहत जरीन के पिता जमील अहमद खुद पूर्व फुटबॉलर और क्रिकेटर रह चुके हैं। निकहत जरीन की कहानी प्रेरणादायक है, क्योंकि उन्होंने अपने परिवार और समाज की चुनौतियों का सामना करते हुए अपने सपनों को पूरा किया है। निकहत जरीन और मेरी कॉम के बीच विवाह 2019 में हुआ था। तब भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (BFN) ने मेरी कॉम को ओलंपिक कालीफायर के लिए बिना ट्रायल के सीधे चयन करने का फैसला किया था। निकहत जरीन ने इस फैसले के खिलाफ आवाज उठाई थी और ट्रायल की मांग की थी। आखिरकार, ट्रायल हुआ और मेरी कॉम ने निकहत जरीन को 9-1 से हराया था।

# मिर्जापुर जिले का बदलेगा नाम?

**-कैबिनेट मंत्री नंदी के सामने रखा गया प्रस्ताव, नया नाम भी सुझाया**



लखनऊ। एक दिन पहले सीएम योगी ने गाजियाबाद में कुशीनगर जिले के फाजिलनगर का नाम बदलकर उसे पावानगरी करने की घोषणा की थी। अब मिर्जापुर जिले का नाम बदलने को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल नंदी के सामने मिर्जापुर का नाम बदलने को लेकर प्रस्ताव भी रख दिया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष ने मिर्जापुर को विध्यावल धाम करने का प्रस्ताव रखा है, जिस पर सहमति भी बन गई है। मंत्री नंदी ने जिला प्रशासन से प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं। अष्टभुजा निरीक्षण गृह के सभागार में जिला प्रशासनिक समन्वय समिति एवं कार कमेटी की गुरुवार को बैठक हुई थी। मीटिंग में प्रभारी मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' भी मौजूद थे। मीटिंग में पहुंचे जनप्रतिनिधियों

ने कई मुद्दों को उठाया। राजगढ़ में अवेध मादक पदार्थ की बिक्री और बिजली विभाग के विजिलेंस के एक दरोगा पर भाजपा कार्यकर्ता से अवेध वसूली करने का मुद्दा उठाया गया। प्रभारी मंत्री ने दोनों मामलों में संबंधित अफसरों को कार्रवाई का निर्देश दिए। इसी दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने मिर्जापुर का नाम बदलकर विन्ध्यावल धाम करने का प्रस्ताव समिति के माध्यम से शासन को भेजने की मांग की। मीटिंग में मौजूद लोगों ने मिर्जापुर का नाम बदलने को लेकर सहमति भी जता दी। सबकी सहमति के बाद मंत्री नंदी ने जिला प्रशासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश जारी कर दिए। मंत्री के निर्देश के बाद से ही मिर्जापुर का नाम बदलने की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

# शेख हसीना को फांसी के बाद 21 साल जेल की भी सजा

**-बांग्लादेश कोर्ट ने जमीन घोटेले में माना दोषी**



ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ एक और बड़ा फैसला आया है। मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए मौत की सजा के बाद शेख हसीना को भ्रष्टाचार के तीन अलग-अलग मामलों में प्रत्येक में सात साल की सजा सुनाई गई है। कुल मिलाकर उन्हें 21 साल जेल की मिली है। ढाका के स्पेशल जज कोर्ट- 5 ने गुरुवार, 27 नवंबर को यह फैसला सुनाया। शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जाय और बेटे साइमा वाजेद पुतुल को भी तीन मामलों में से एक में पांच-पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। एंटी करप्शन कमिशन (ACC) ने जमीनों के आवंटन से जुड़े भ्रष्टाचार को लेकर शेख हसीना पर जनवरी में छह अलग-अलग मामलों दर्ज किए थे। शेख हसीना के अलावा उनके बेटे साजिब वाजेद जाय और

बेटी साइमा वाजेद पुतुल भी इन मामलों में आरोपी थे और उन्हें भी सजा मिली है। बांग्लादेशी प्रमुख अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, 20 अन्य आरोपियों में से 19 को अलग-अलग जेल की सजा मिली, और एक को तीनों मामलों में बरी कर दिया गया। इस हाई-प्रोफाइल फैसले से पहले ढाका में सेशन कोर्ट के एंटी गेट पर अतिरिक्त पुलिस चौकियों के साथ सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी, और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों को भी तैनात किया गया था। इससे पहले 17 नवंबर को शेख हसीना को बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध खान कमाल के साथ मौत की सजा सुनाई थी।

# अजमेर में उर्स मेले से पहले बुलडोजर कार्रवाई -दरगाह से अढ़ाई दिन का झोपड़ा तक वर्षों पुराने अवैध कब्जे हटाए

अजमेर। अजमेर में होने वाले खाजा साहब के 814वें उर्स मेले को देखते हुए शनिवार सुबह नगर निगम और प्रशासन ने दरगाह क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। अढ़ाई दिन का झोपड़ा से दरगाह शरीफ तक मुख्य सड़क पर पिछले कई साल से चल रहे अवैध निर्माण और अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। बता दें कि नगर निगम की टीम ने तीन जेसीबी मशीनों, छह ट्रैक्टरों, भारी उपकरणों और 12 से अधिक मजदूरों की मदद से दुकानों, ठेलों और स्थायी संरचनाओं को हटाया। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। मौके पर करीब 150 पुलिसकर्मी और अधिकारी तैनात रहे। जबकि अलग-अलग स्थानों पर 100 से ज्यादा जवानों ने स्थिति पर नजर रखी। पुलिस ने दुकानदारों और राहगीरों को लगातार हटाने, भीड़ को नियंत्रित करने और वाहनों को वैकल्पिक मार्गों और मोड़ने का काम संभाला। प्रशासन का कहना है, उर्स मेले में लाखों जायरीन अजमेर



पहुंचते हैं। इस दौरान दरगाह क्षेत्र की संकरी और बंद गलियों में भीड़ बढ़ने से अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे आम जनता और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, अतिक्रमण के कारण एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य इमरजेंसी सेवाओं का निकल पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। सड़क खाली होने से रास्ता चौड़ा होगा और भीड़ नियंत्रण व सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, कार्रवाई को आगामी

दिनों में भी जारी रखा जाएगा। ताकि उर्स मेले से पहले पूरा मार्ग साफ, सुरक्षित और आवागमन के लिए सहज बनाया जा सके। प्रशासन ने दुकानदारों और आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा, यह कार्रवाई किसी व्यक्ति या व्यापार को निशाना बनाकर नहीं, बल्कि जनता की सुविधा, सुरक्षा और दैहिक व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए की जा रही है। उर्स मेले तक दरगाह जाने वाला मार्ग पूरी तरह व्यवस्थित करने का लक्ष्य रखा गया है।

Reg.-: 368/06-07  
Recognised by Education Department Govt. of Rajasthan Estd. 2006 | Recognised

AFFILIATED TO RBSE  
**ROYAL OXFORD SR. SEC. SCHOOL**  
HINDI MEDIUM BRANCH  
33, Choudhary Colony, Gangapole, Jaipur 7891894619  
royaloxford111@gmail.com www.royaloxford.com

AFFILIATED TO RBSE  
**ROYAL OXFORD ENGLISH SCHOOL**  
AN ENGLISH MEDIUM BRANCH  
1544-Samode Haweli Ke Piche, Gangapole Road, Jaipur  
7851-010988 royaloxfordenglishschool@gmail.com

**ADMISSION OPEN**

SMART TECHNOLOGY  
BEST QUALITY EDUCATION  
Your Child Deserves The Best Education

**FREE BOOKS & UNIFORMS FOR NURSERY CLASS**  
In New English Medium Branch

HAPPY BIRTHDAY

# पूर्व सीएम गहलोत ने डॉ. खानू खान बुधवाली के घर जाकर पिता के निधन पर जताया शोक



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार शाम डॉ. खानू खान बुधवाली के हसनपुरा स्थित आवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। गहलोत ने डॉ. बुधवाली के पिता के इंतकाल पर गहरा शोक व्यक्त किया और शोकाकुल परिवार को ढाढस बंधाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने मरहम की आत्मा की शांति और मगफिरत के लिए दुआ की। उन्होंने परिवार के अन्य सदस्यों से भी मिलकर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

**ये गणमान्य लोग रहे मौजूद-**  
इस दौरान वहां कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। इनमें सीकर नगर परिषद के सभापति जीवन खां, रॉयल पत्रिका के संपादक मुन्ना खान, पूर्व अल्पसंख्यक वित्त आयोग के सदस्य अस्सरा कुरैशी, हसनपुरा के व्यवसायी याकूब खान, सुलतान खान, रिटायर्ड कैप्टन फारुख खान गनेडी, जामा मस्जिद के सचिव जहीर खान, हाजी इकबाल खान, हाजी इदरीश खान और डॉ. मकबूल खान शामिल थे।

# इमरान खान के बेटों ने मांगा पिता के जिंदा होने का सबूत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच उनके बेटों ने फिर से जिंदा होने का सबूत मांगा है। उनका दावा है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद कि हर हफ्ते मिलने की इजाजत है। इसके बावजूद उन्हें अपने पिता से मिलने की कोई पक्की इजाजत नहीं मिली है। एक नए बयान में, कासिम खान ने कहा कि उनके परिवार को डर है कि इमरान खान के साथ 'कुछ ऐसा हो गया है जिसे ठीक नहीं किया जा सकता।' इससे शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार पर दबाव बढ़ गया है।

**बेटों ने सफाई मांगी**  
कासिम खान ने कहा कि अनिश्चितता और बातचीत की कमी परिवार के लिए 'साइकोलॉजिकल टॉर्चर' का कारण बन गई है। उन्होंने कहा कि जेल में बंद नेता से हर हफ्ते मिलने की इजाजत देने वाले कोर्ट के निर्देशों के बावजूद, कई महीनों से कोई इंडिपेंडेंटली कन्फर्म बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने अपनी लिखी हुई बातों में कहा, 'यह न जानना कि आपके पिता सुरक्षित हैं, घायल हैं या जिंदा भी हैं, एक तरह का साइकोलॉजिकल टॉर्चर है।'

Reg. No. - 503 / 1998-99

**Principal Alfya**  
M. 8094535201

**Director Najmunissa**  
M. 9667135201  
Recognised by Raj. Govt.

**Safiya Public Secondary School**  
**S.R. PUBLIC SCHOOL**  
**SAFIYA ENGLISH SCHOOL**

Nursery to Xth  
English & Hindi

**Facilities**

- Library
- Indoor Games
- Outdoor Games
- Smart Classrooms
- Art & Craft
- Qualified & Trained Teachers
- Dance & Music Class
- Picnic & Educational Tour
- Computer Lab
- Doctor Check-up
- Free Extra Classes

E-mail: safiyapublicschool@gmail.com  
Website: www.safiyapublicschool.com

**B-1024-25, Sanjay Nagar, Bhatta Basti Shastri Nagar, Jaipur**  
**I - 27, J P Colony, Shastri Nagar, Jaipur - 302016**